प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।

सुभाषचन्द्र बोस

वर्ष-03, अंक - 46 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 19 अगस्त 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सपा सांसद के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। तालिबान के समर्थन में बयान को लेकर युपी के समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. शफीकुर रहमान बर्क के खिलाफ संभल में देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। संभल सदर कोतवाली में भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए, 124 ए, 295 ए के तहत यह मामला दर्ज किया गया है।

संभल से सपा सांसद बर्क ने कहा था कि, तालिबान अपने देश की आजादी के लिए लड़ रहे हैं और अफगान लोग उसके नेतृत्व में आजादी चाहते हैं। तालिबान के समर्थन में आते हुए बर्क ने कहा था, जब भारत, ब्रिटिश शासन के अधीन था तब हमारे देश ने आजादी के लिए जंग लड़ी। अब तालिबान अपने देश को आजाद करना और चलाना चाहते हैं। तालिबान वह ताकत है जिसने रूस और अमेरिका जैसे मजबूत देशों को अपने मुल्क में जमने नहीं दिया। सपा सांसद ने यह भी कहा था कि, अफगानिस्तान की आजादी उसका निजी मामला है, अमेरिका आखिर अफगानिस्तान पर शासन क्यों करेगा? तालिबान वहां की ताकत है और अफगान लोग इसके नेतृत्व में आजादी चाहते हैं।

युपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस बयान को लेकर बर्क पर निशाना साधते हुए कहा था कि, पाकिस्तान के पीएम इमरान खान और समाजवादी पार्टी के नेताओं में कोई फर्क नहीं है। मौर्य ने कहा, समाजवादी पार्टी कुछ भी कह सकती है, यदि तालिबान को लेकर समाजवादी पार्टी का ऐसा बयान आता है तो इमरान खान और समाजवादी पार्टी में क्या फर्क है?

सरकार व प्रशासन के समक्ष हुआ आजादी पर्व पर तिरंगे का अपमान

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

हमारे तिरंगे का अपमान करने वाले किसी को भी बख्सा नहीं जाता है और हमारा संविधान भी आम हो या खास सभी के लिए समान बना है। जब हम 75वां आजादी पर्व बड़े धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ तिरंगे को सलामी देकर मनाया गया। वहीं जब ऐसा भी मंजर सामने आता है कि, हमारी सरकार के नुमांइदे व पुरा प्रशासन मौजुद होकर आजादी पर्व के उप्लक्ष पर मुख्य आयोजन होकर परेड की सलामी ली जाती है और वाहन पर तिरंगे का अपमान करने का वो क्षण सामने आता है, तो कई सवालो को खड़े तो करता ही है। जिसे क्या कहा जाए...? सबसे बड़ी शर्म की बात तब है कि, यह सबकुछ सरकार व प्रशासन ही सवार होकर उल्टे तिरंगे लगे वाहन पर सलामी ले रहे होते है और मामला उजागर होने के बाद अपनी देखकर भी अनदेखी व गलती को छुपाने के लिए एक अदने कर्मचारी पर आरोप मढ़, अपने आपको सही साबित कर तर्कवितर्क किए जा रहे है। ऐसे अमानविय कृत्य को क्या संज्ञा दी जाए, यह भी एक विचारनिय प्रश्न है...!

मध्य प्रदेश वाकई में अजब-गजब

15 अगस्त को 75वां स्वतंत्रता दिवस के रूप में पूरे भारत वर्ष में मनाया गया। बात करें मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले कि तो यहां शिवराज कैबिनेट मंत्री व राजगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद परेड की सलामी लेते समय उनकी गाड़ी के बोनट पर जो तिरंगा लगा था वह उल्टा लगा हुआ था। परेड की सलामी लेते समय प्रभारी मंत्री मोहन यादव के साथ कलेक्टर नीरज कुमार, एसपी प्रदीप शर्मा मौजूद थे। उक्त समय का फोटो कैबिनेट मंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने ही ट्विटर हैंडल अकाउंट में पोस्ट कर अपनी व अपनी सरकार की गलती को उजागर कर तिरंगे के प्रति प्रदेश की भाजपा सरकार व प्रशासन कितना संवेदनशिल है...? यह भी दर्शाया गया।

वहीं मामला उजागर होने के बाद कलेक्टर नीरज कुमार ने कहा कि, मामला संज्ञान में आया है, मैं दिखाता हूं।

एसपी प्रदीप शर्मा ने कहा, मामला संज्ञान में आया है, इसमें उस ड्राइवर की गलती है जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने अपनी अनदेखी व गलती को स्वीकारने के बजाए अपने तर्क के साथ अदने कर्मचारी वाहन चालक पर मामला मढ़, उक्त मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जा रहा है।

चयनित महिला शिक्षिकाएं पहुंची सीएम को राखी बांधने, तोहफे में नियुक्ति की मांग

भोपाल। प्रदेश भर की चयनित महिला शिक्षक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राखी बांधने भोपाल पहुंची। हाथों में राखी की थाल और पोस्टर लेकर सभी बीजेपी कार्यालय पर पहुंची। वहीं महिला शिक्षकों के आंदोलन को देखते हुए बीजेपी दफ्तर के बाहर भारी बैरीकेटिंग की गई है। प्रदेश के कोने-कोने से लगभग एक हजार से अधिक चयनित शिक्षिकाएं नियुक्ति की मांग को लेकर राजधानी पहुंची। सभी महिला शिक्षिकाओं ने हाथों में थाली ले ली जिसमें राखी, दीया इत्यादि सजाया। चयनित महिला शिक्षकाएं मुख्यमंत्री से राखी के तोहफे के बदले उन्हें नियुक्ति देने की मांग कर रही है। उनकी मांग है कि, मेडिकल ऑफिसर्स के तर्ज पर उन्हें भी नियुक्ति दी जाए। मांगें नहीं मानने पर उन्होंने आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

बेटियां भी दे सकेंगी एनडीए परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में महिला अभ्यर्थियों को एनडीए परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने बुधवार को सेना को फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान सेना ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि, यह एक नीतिगत निर्णय है। जिस पर जस्टिस संजय किशन कौल और हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने कहा कि, यह नीतिगत निर्णय लिंग भेदभाव पर आधारित है। जिसके बाद कोर्ट ने अपना अंतरिम आदेश पारित करते हुए महिलाओं को 5 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश दिए और कहा कि, दाखिले कोर्ट के अंतिम आदेश के अधीन होंगे।

गैर कानूनी गिरफ्तारी में 3 आरक्षक भेजे जेल, एएसपी नहीं हुए पेश

भोपाल। एक युवती एवं उसकी मां की गैरकानूनी तरीके से गिरफ्तारी करने के मामले में कोर्ट ने भोपाल पुलिस की महिला आरक्षक इरशाद परवीन, आरक्षक सौरव भट्?ट और आरक्षक इंद्रपाल को जेल भेज दिया है। इस मामले के चौथे आरोपी एएसपी दीपक ठाकुर (जो घटना के समय डीएसपी साइबर सेल थे) ने कोर्ट में मेडिकल लगाया था। कोर्ट ने उन्हें 24 घंटे के भीतर प्रस्तुत होने के लिए कहा है।

ये है मामला

पुलिस जांच अनुसार रिनी जौहर और उनकी मां गुलशन जौहर मूलतः पुणे महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। 27 नवंबर 2012 को पुणे स्थित उनके घर से मध्यप्रदेश सायबर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था। इन दोनों पर आरोप लगाया गया था कि, कैमरों और लैपटॉप की खरीदारी में हुए 10 हजार 500 अमेरिकी डॉलर की लेन-देन में उन्होंने घोखाधड़ी की है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ इंडियन पीनल कोड और आईटी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए थे। इस प्रकरण में फरियादी विक्रम राजपूत नाम का एक व्यक्ति है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में दोनों महिलाओं का कहना था कि, गिरफ्तारी के बाद उन्हें ट्रेन के अनारक्षित डिब्बे में लाया गया था। गुलशन जौहर को ट्रेन के फर्श पर सोने पर मजबूर होना पड़ा और बिना पानी और खाने के रहने पड़ा। पुलिसकर्मियों ने पुणे में बिना मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए भोपाल लाया गया था। जबकि नियम अनुसार गिरफ्तारी के तत्काल बाद उन्हें स्थानीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना चाहिए था।

कोर्ट ने कहा कि, रिपोर्ट से यह साफहै कि याचिकाकर्ता दोनों महिलाओं को गिरफ्तार करने में सीआरपीसी के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। पीठ ने कहा कि, दोनों की गैरकानूनी तरीके से हुई गिरफ्तारी से याचिकाकर्ताओं के प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

देश को मिल सकती हैं पहली महिला सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत में प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक के पद को महिलाएं सुशोभित कर चुकी हैं। अब भारत को पहली महिला चीफजस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) मिलने की भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने जिन 9 जजों की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी है, उसमें तीन महिलाओं के नाम भी शामिल हैं। हालांकि, भारत को पहली महिला जीफ जस्टिस के लिए 2027 तक का इंतजार करना होगा।

नौ जजों की होनी है नियुक्ति

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के नवंबर 2019 में सेवानिवृत्त हो जाने के बाद से कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को नियुक्ति के लिए एक भी नाम की सिफारिश नहीं भेजी थी। न्यायमूर्ति नरीमन के 12 अगस्त को बाहर होने के बाद से सुप्रीम कोर्ट में नौ जजों की जगह खाली थी, लेकिन 18 अगस्त को न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा भी सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद 10 लोगों की जगह सुप्रीम कोर्ट में खाली हो गई है।

एससी में है सिर्फ एक महिला जज

सुप्रीम कोर्ट में अभी सिर्फ एक महिला जज हैं, जो जस्टिस इंदिरा बनजम है। लेकिन जस्टिस बनर्जी अगले वर्ष 2022 सितंबर में सेवानिवृत्त हो जाएंगी। बता दें कि, अभी तक सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ आठ महिला जजों की ही नियुक्ति हुई है। अगर केंद्र सरकार कॉलेजियम की सभी सिफारिशों को मान लेता है तो सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 हो जाएगी। केंद्र सरकार कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को समीक्षा के लिए वापस भेज सकता है, लेकिन अगर कॉलेजियम दोबारा उन नामों की संतुति करता है तो केंद्र सरकार को इसको मानना अनिवार्य होगा।

जंगल में गस्त पर थी टीम, चोरों ने कर दिया हमला

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में वनकर्मियों पर गोफन से हमला करने का मामला सामने आया है। चोरल के जंगलों में लकड़ी चोरों और वनकर्मियों की मुठभेड़ हो गई, जिसमे चोरों ने कर्मचारियों पर गोफन से हमला कर दिया। आरोपियों के हमले में तीन वनकर्मी घायल हो गए, वहीं पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उनकी बाइक को जब्त कर लिया।

सूचना पर वनकर्मी पहुंचे जंगल में

इंदौर वन मंडल के एसडीओ एके श्रीवास्तव को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, चोरल के जंगलों से लकड़ी चोरी करके लाई जा रही है। सूचना पर एसडीओ श्रीवास्तव ने इंदौर और चोरल की संयुक्त टीम बनाकर आरोपियों को पकड़ने की योजना बनाई। योजना पर एक्शन लेते हुए देर रात टीम लकड़ी चोरों को जंगलों में तलाशती रही।

वनकर्मियों को देखा और कर दिया हमला

सुबह होते ही बड़वाह की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर अलग-अलग बाइक सवार 9 लोगों को रोका गया, जो लकड़ी की चोरी कर ले जा रहे थे। वनकर्मियों को सामने से आता देख चोरों ने कर्मचारियों पर सामने से हमला कर दिया। इसी के चलते डिप्टी रेंजर राजेश नगवाड़े, श्याम गोहे व एक अन्य वनकर्मी राहुल दात्रे घायल हो गए।

आरोपी हुए फरार

वन विभाग की टीम ने एक्शन लेते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन बाकी आरोपी जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। वन विभाग की कार्रवाई में 16 सिल्ली सागवान के साथ ही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

लॉर्ड्स जीत के बावजूद कोहली के लिए बुरी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की हो लेकिन पहली पारी में जो रूट अपनी टीम के लिए वन मैन आर्मी की तरह खड़े रहे और 180 रनों की नाबाद पारी खेली। इस पारी के बाद उन्हें आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। रूट अब टेस्ट रैंकिंग में टॉप बल्लेबाज केन विलियमसन के बेहद करीब आ गए हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को अंकों का नुकसान हुआ हैं जबकि रोहित शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग हासिल की है।

इंग्लैंड के खिलाफखेले गए दूसरे टेस्ट में रोहित शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 83 रनों की पारी खेली। जिस वजह से उनके टेस्ट रेटिंग में 773 अंक है और वो छठे स्थान पर है। अब वह विराट कोहली से महज 3 अंक पीछे हैं। वहीं विराट कोहली ने अपना 5 वां स्थान बरकरार रखा, लेकिन उन्हें का भारी नुकसान हुआ है और वो 776 अंक फिसल गए हैं। बता दें कि, रोहित टेस्ट रैंकिंग में दूसरे सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सातवें स्थान बरकरार रखा हैं। इसके अलावा केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफपहली पारी में शतक जड़ा था, उन्हें 19 स्थान का फायदा हुआ है वो अभी 37वें स्थान पर हैं।

जडेजा और बुमराह को हुआ नुकसान

रविंद्र जडेजा टेस्ट आलराउंडरों की सूची में एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं रविचंद्रन अश्विन इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। गेंदबाजों की सूची में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक स्थान के नुकसान से 10वें स्थान पर हैं। लार्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में चार-चार विकेट चटकाने वाले उनके साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 18 स्थान के फायदे से 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को एक स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने भारत के खिलाफपहली पारी में पांच विकेट चटकाए थे। तेज गेंदबाज मार्क वुड 37वें स्थान पर हैं।

अफगानिस्तान के बिगड़ते हालात: भारत में हज़ारों करोड़ का कारोबार संकट में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच सदियों से व्यापारिक रिश्ते रहे हैं, लेकिन तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के साथ ही भारत के अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक रिश्ते पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। व्यापारिक संगठन चैम्बर ऑफट्रेड एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में भारत और अफगानिस्तान के बीच लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का व्यापार हुआ था। भारत की तरफसे अगर निर्यात की बात करें तो 2020-21 में अफगानिस्तान को लगभग 6 हजार करोड़ रुपए का निर्यात भारत ने किया था। जबकि लगभग 3 हजार 800 करोड़ रुपए के उत्पादों का आयात भारत में अफगानिस्तान से किया गया था।

दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान के उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार भारत है. अफगानिस्तान से भारत को मुख्य रूप से ड्राई फ्रूट और फल निर्यात किया जाता है जिसमें किशमिश, अखरोट, बादाम, अंजीर, पिस्ता, सूखी खुबानी जैसे सूखे मेवे भारत अफगानिस्तान से खरीदता है. वहीं, अनार, सेब, चेरी, खरबूजा और मसाले जैसे हींग, जीरा और केसर का भी आयात अफगानिस्तान से किया जाता है. एप्रीकॉट और औषधीय जड़ी बूटियां भी अफगानिस्तान से आयात की जाती हैं.

दिल्ली से लगभग एक हजार करोड़ रुपए का कारोबार प्रतिवर्ष अफगानिस्तान के साथ होता है। दिल्ली से कपड़े, दवाइयां, मेडिकल उपकरण, ऑटो पाट्र्स आदि वस्तुएं अफगानिस्तान जाती हैं। विशेषकर चांदनी चौक के कपड़ा बाजार से काबुल और कंधार में लेडीज सूट व कॉटन के कुर्ते जाते हैं।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि, वर्तमान हालात में भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार बुरी तरह से प्रभावित होगा, क्योंकि इन परिस्थितियों में भविष्य अनिश्चित है। लोगों के शिपमेंट फंसे हुए हैं और बड़े पैमाने पर लोगों की पेमेंट फंस सकती है। इसके लिए भारत सरकार को शीघ्र संज्ञान लेना चाहिए और कोई न कोई रास्ता निकालना चाहिए।

श्रावण के अंतिम सोमवार को शिवालयों में भक्तों की उमड़ी भीड़

देवझिरी तीर्थ स्थल पर रहा मैले जैसा माहौल, दिन भर गूंजायमान हुए भगवान के जयकारे

माही की गूंज, झाबुआ।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शहर के शिव मंदिरों पर अलसुबह से ही भक्तों की दर्शन-पूजन, भक्ति, आराधना के लिए भारी भीड़ लगी रही। शिवालयों में दिनभर दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा। इस दौरान मंदिरों में शिवजी के समधुर जयकारे भी गूंजायमान हुए। पवित्र तीर्थ स्थल देवझिरी पर इस दिन मेले जैसे माहौल रहा। जहां सैकड़ों भक्तों ने पहुंचकर कुंड में स्थान कर दर्शन लाभ लिया।

शहर के सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, छोटे तालाब स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर, डीआरपी लाईन स्थित गोपेश्वर महादेवजी, विवेकानंद कॉलोनी स्थित उमापति महादेव मंदिर, कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन सोमेश्वर महादेवजी, गोपाल कॉलोनी स्थित महाकाल मंदिर, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में नवदुर्गा धाम स्थित ऋष्टा मुक्तेश्वरजी के दर्शन-पूजन के लिए दिनभर में सैकड़ों भजनजन पहुंचे। शिवलिंग की जल, दूध, चंदन, कंकु, चावल, पुष्पों, बिल्व पत्र, धतुरे आदि से पूजन कर सभी ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि हेतु भगवान भोलेनाथ एवं माता शिवजी तथा समस्त शिव परिवार से प्रार्थना की।

इन तीर्थ स्थलों पर विशेष भीड़

इसके साथ ही झाबुआ के समीपस्थ देवझिरी तीर्थ स्थल पर भक्तों ने कुंड में स्नान कर विधि-विधान से पूजन-पाठ किया। यहां शहर सहित संपूर्ण जिले से दिनभर भक्तों का आना-जाना लगा रहा झाबुआ-मेघनगर मार्ग स्थित पारेदश्वर तथा दूधेश्वर महादेव मंदिर पर भी विभिन्न अनुष्ठान, पूजन आदि संपन्न हुई। श्रावण मास में भक्तजनों का महाकाल तीर्थ उज्जैन, उत्तराखंड स्थित केदारनाथ, बद्रीनाथ, अमरनाथ बर्फानी बाबा के विशेष दर्शन हेतु आना-जाना लगा रहा। श्रावण मास में भक्तजनों ने व्रत, उपवास आदि रखकर फरियाली ग्रहण कर भोलेनाथ की आस्था तथा श्रद्धा से पूजा-आराधना की।

झाबुआ के सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर पूजन करते महिलाएं।

उमापति महादेवजी को अंतिम सोमवार को दिया अर्द्धनारेश्वर का रूप

शहर के विवेकानंद कॉलोनी स्थित उमापति महादेव मंदिर पर श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवजी का अर्द्धनारेश्वर के रूप में सुंदर एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया, तो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। रात्रि में महाआरती कर श्रद्धालुओं को फरियाली खिचड़ी एवं दूध का प्रसाद वितरित किया गया।

युवा ज्योतिष शिरोमणि आचार्य पं. द्विजेन्द्र व्यास ने बताया कि पूरे श्रावण मास में मंदिर में काली मिट्टी से सवां लाख पार्थिव शिवलिंग बनाने का कार्य किया गया। साथ ही प्रतिदिन भगवान का रूदाभिषेक विनोद शर्मा एवं मनोज दवे उज्जैन के साथ संतोष उपाध्याय नागदा आदि ने किया। देश और विश्व से कोरोना महामारी से मुक्ति हेतु प्रतिदिन विशेष हवन भी संपन्न हुआ। जिसमें अलग-अलग यजमानों ने सम्मिलित होकर हवन में आहूतियां प्रदान की।

सैकड़ों भक्तों ने लिया महाआरती और महाप्रसादी का लाभ

उमापति महादेव मंदिर पर अंतिम सोमवार को रात्रि 8.30 बजे महाआरती हुई। बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाप्रसादी के रूप में भक्तजनों को स्वादिष्ट फरियाली खिचड़ी एवं दूध का वितरण किया गया। जिसका आयोजन मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उद्योगपति मनोज भाटी की ओर से रखा गया। सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने पहुंचकर दर्शन-पूजन लाभ लिया। व्यवस्था में विशेष सहयोग मंदिर से जुड़े युवाओं का रहा।

झाबुआ के छोटे तालाब स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर दिनभर चला पूजा.अर्चना का क्रम।

नवकार योग से जोड़ता है भोग को तोड़ता है- मुनिश्री रजतचंद्र विजय जी

श्री गुरु समर्पण चातुर्मास के अंतर्गत श्री ऋषभदेव बावन जीनालय में चल रही नवकार आराधना

माही की गूंज, झाबुआ। नवकार के समान कोइ मंत्र नहीं है। वितराग के समान कोई देव नहीं है। शत्रुंजय के समान कोई तीर्थ नहीं है। नवकार को मंत्राधिराज कहा जाता है क्योंकि संसार के सभी मंत्र इच्छा की पूर्ति करते है, नवकार मंत्र इच्छा से रहित बनाता है, और धर्म ग्रंथ कहते हैं जहां इच्छाएं खत्म हो जाती है वहां मोक्ष प्रारंभ हो जाता है। वो योगी पुरुष बन जाता है। नवकार योग से जोड़ता है भोग को तोड़ता है। बस जीवन उपयोग से जीना आना चाहिए। उपरोक्त उद्बोधन चातुर्मास हेतु विराजित मुनीश्री मालव रत्न श्री रजतचन्द्र विजयजी मसा ने मंगलवार को नवकार महामंत्र की आराधना के अवसर पर दिए। उन्होने नवकार के आचार्य पद पर प्रकाश डालते हुए ने कहा कि शास्त्रों में आचार्य को तीर्थंकर के तुल्य कहा गया है। छरू काय के जीवों की रक्षा करने वाले आचार्य महान माने गए हैं। मुनिश्री रजतचंद्र विजयजी ने विजय हिर सूरीजी, विजय सोमसुंदर सूरीजी तथा दादा गुरुदेव विजय श्री राजेंद्र सूरीजी मसा का त्याग सेवा भक्ति स्मरण कराया। आपने कहा कि विश्व पूज्य दादा गुरुदेव श्री राजेंद्र सूरीजी मसा भी नवकार के परम आराधक थे। उन्होने राख का अभिग्रह करके तेला प्रारंभ किया। उनका पारणा आठ उपवास के बाद हुआ। आपने आग्रह किया कि स्वार्थी नहीं परमार्थी बने और मानव जीवन को सफ्ल बनाए। जिनशासन में आचार्य को राजा व उपाध्याय को युवराज माना गया। सं?घ के कार्य व गच्छ की व्यवस्था गच्छ नायक करते हैं। संतों का पठन पाठन उपाध्याय वाचक करते हैं। आचार्य के 36 गुण व पिला वर्ण होता है। उपाध्याय के 25 गुण व हरा वर्ण होता है। मुनिश्री जितचंद्र विजयजी ने मंगलपाठ कराया।धर्मसभा में तपोत्सव के पारणों की स्वीकृति संजयजीनगीनजी काठी को मिली। जय जिनेंद्र व 26 अगस्त के स्वामीवात्सल्य का लाभ सुभाष कुमारजी कोठारी को मिला। 25 अगस्त को तप अभिनंदन के बाद स्वामीवात्सल्य का लाभ अर्पित कैलाशचंद्रजी कांकरेचा को मिला। 25 अगस्त शाम स्वामीवात्सल्य का लाभ समस्त लब्धितप के 54 तपस्वी परिवार को प्राप्त हुआ। 24 अगस्त को श्री गौतम स्वामी महापूजन आयोजन होगा। जिसका लाभ अनीता बेन सतिषजी सोहनकोठारी को मिला।

रोजगार मेले में 108 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय तथा आजीविका परियोजना झाबुआ द्वारा संयुक्त रूप से मंगलवार सुबह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आजीविका भवन, झाबुआ में जॉब फेयर आयोजित किया गया था। जिसमें 6 बड़ी कम्पनियां उपस्थित हुई। इस आयोजन में 226 युवाओं ने अपना पंजीयन करवाया जिसमें से 108 युवाओं को रोजगार उपलब्ध हुआ। जिले के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। इस रोजगार मेले में एमआरएम टायर, एलएनटी अहमदाबाद, पीथमपुर ऑटो क्लस्टर, प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर, कोजेंट ई-सर्विस प्राईवेट लिमिटेड बड़ौदा, आईसीटी धार की कम्पनिया उपस्थित थी। इस आयोजन में डिप्टी कलेक्टर तथा आजीविका परियोजना जिला प्रबंधक डॉ. अभयसिंह खराड़ी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा, जिला रोजगार अधिकारी मोहनसिंह गरवाल, ब्लाक प्रबंधक आजीविका परियोजना तृप्ती बैरागी तथा कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दस दिवसीय दशा माता पर्व संपन्न, अंतिम दिन मंदिर एवं घरों में उद्यापन, महाआरती, रात्रि जागरण के साथ माताजी की प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर में दस दिवसीय दशा माता पर्व उत्साहपूर्वक और आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। 10 दिनों तक भक्तों द्वारा प्रतिदिन अपने घरों पर माताजी की आरती, प्रसादी, भजन-किर्तन, गरबा नृत्य आदि किए गए। अंतिम दिन उद्यापन करते हुए हवन, महाआरती, रात्रि जागरण कर अलसुबह चल समारोह के रूप में ही माताजी की प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ।

झाबुआ के हाऊसिंग बोर्ड स्थित दशा माता मंदिर पर माताजी की दीपकों से महाआरती करते श्रद्धालु।

शहर के हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित दशा माता मंदिर पर 10 दिनों तक श्रद्धालुओं की दर्शन, पूजन, माताजी की भक्ति, आराधना के लिए विशेष भीड़ रहीं। अंतिम दिन यहां उद्यापन करते हुए हवन का आयोजन हुआ। दोपहर में भक्तों के लिए भंडारा रखा गया। रात्रि में 101 दीपकों से माताजी की महाआरती की गई। बाद रात्रि जागरण कर भजन-किर्तन करते हुए अलसुबह चल समारोह निकालकर माताजी के जयकारों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

इन क्षेत्रों में रहा विशेष उत्साह

10 दिनों तक माताजी की भक्ति, आराधना, पूजा-अर्चना का दौर शहर के वार्ड क्र. 18 स्थित अयोध्या बस्ती, मेघनगर नाका, दिलीप गेट, उदयपुरिया क्षेत्र, माधोपुरा, किशनपुरी, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, मोजीपाड़ा आदि स्थानों पर देखने को मिला। जहां घरों में माताजी की प्रतिमा की स्थापना कर अंतिम दिन रात्रि जागरण और भजन-किर्तन के साथ अलसुबह प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इसके साथ ही 10 दिवसीय दशा माता पर्व भी साआनंद और उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

रोटरी क्लब द्वारा संचालित फिजियोथैरिपी सेन्टर का पुनः शुभारंभ

दोपहर 1 बज से शाम 6.30 बजे तक दिया जा रहा मरीजो को लाभ

माही की गूंज, झाबुआ।

कोरोना काल की दूसरी लहर के कारण रोटरी क्लब संस्था के द्वारा संचालित अनिता बंसल रोटरी फिजियोथैरिपी सेन्टर का संचालन बंद करना पड़ा था। वहीं कोरोना मरीजों की अधिकता होने से संचालन नहीं हो पाया था। लेकिन वर्तमान में कोविड वैक्सिनेशन लगने के बाद से कोरोना मरीजों पर नियंत्रण किया जा चुका है। जिस पर से रोटरी क्लब द्वारा एक बार पुनरू फिजियोथैरिपी सेंन्टर का शुभारंभ किया जा चुका है। जिसमें कई मरीजों को फिजियोथैरिपी सेन्टर पर मशीनों के द्वारा डॉ. खुशबु दवे के द्वारा परामर्शन तथा चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

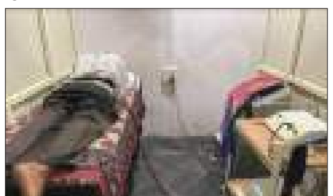

रोटरी क्लब फिजियोथैरिपी सेन्टर के संचालनकर्ता वरिष्ठ यशवंत भंडारी, उमंग सक्सेना तथा अमितसिंह जादौन ने बताया कि पूर्व में कोरोना काल के चलते कोरोना मरीजा की संख्या को देखते हुए बंद कर दिया गया था। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक बार पुनः फिजियोथैरिपी सेन्टर का संचालन नियमित रूप से किया जा रहा है। जिसमें दोपहर 1 बजे से शाम 6.30 बजे तक मरीजों का फिजियोथैरिपी का लाभ दिया जा रहा है। रोटरी ट्रस्टी नरूद्दीन बोहरा तथा प्रदीप रूनवाल के मार्गदर्शन में रोटरी क्लब फिजियोथैरिपी का संचालन बहुत ही सुंदर ढंग से किया जा रहा है।

साध्वीश्री पुनीत प्रज्ञा श्री जी के कालधर्म होने पर हुआ गुणानुवाद सभा का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

ऋषभदेव बावन जीनालय के प्रवचन हॉल में मंगलवार को साध्वीश्री पुनीत प्रज्ञा श्री जी के कल सोमवार को पालीताना तीर्थ में कालधर्म होने से मुनिराज़ रजतचन्द्र विजय जी और मुनिराज जीत चन्द्र विजयजी की निश्रा में गुणानुवाद सभा रखी गई। मुनि श्री रजत विजयजी मसा ने उनके जीवन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होने सम्पूर्ण 30 वर्ष की संयम यात्रा को श्रेष्ट बनाया। मुनि राज़ जीतचंद्र विजय जी ने कहा कि उन्होने जीवन में किसी भी जीव की निंदा न करने का उपदेश दिया है। जिसे सभी को अपने जीवन में ग्रहण करना चाहिए। इस अवसर पर यशवंत भंडारी, सलोनी मूथा, धर्मचन्द्र मेहता, अशोक कटारिया, ओएल जैन, निखिल भंडारी, सपना जयेश संघवी, आदि ने गुणानुवाद सभा में अपने विचार रखे। गणधर लब्धी तप के तपस्वियों का पारना कराने का लाभ संजय काठी परिवार ने स्व चंद्रकान्ता बेन नगीनलाल काठी की स्मर्ति में लिया। गुणानुवाद सभा का संचालन डॉ. प्रदीप संघवी ने किया। प्रभावना कमलेश कोठारी और आरती सुभाष कोठारी ने उतारी।

दो अपराधियों को जिलाबदर किया गया

माही की गूंज, झाबुआ। न्यायालय जिला दण्डाधिकारी झाबुआ के आदेश दिनांक 10 अगस्त 2021 से रतना पिता हवला डामोर उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम फुटतालाब थाना मेघनगर अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति होने से न्यायालय द्वारा जिलाबदर किया गया है। इस आदेश के प्राप्त होने की दिनांक से 24 घंटे अंदर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा व इस जिले के समीपवृती जिले उज्जैन, रतलाम, धार, बडवानी एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिये बाहर चला जाए तथा इस न्यायालय की लिखित अनुमति के बिना वह उक्त क्षैत्रों में प्रवेश नहीं करेगा। इसी तरह न्यायालय जिला दण्डाधिकारी के आदेश दिनांक 19 अगस्त 2021 से राकेश पिता रामचन्द्र वसुनिया उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सातेर थाना पेटलावद अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति होने से माननीय न्यायालय द्वारा जिलाबदर किया गया है। इस आदेश के प्राप्त होने की दिनांक से 24 घंटे अंदर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा व इस जिले के समीपवृती जिले उज्जैन, रतलाम, धार, बडवानी एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिये बाहर चला जाए तथा इस न्यायालय की लिखित अनुमति के बिना वह उक्त क्षैत्रों में प्रवेश नहीं करेगा।

विश्व स्तरीय आलेख प्रति योगिता का होगा आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। हिंदी साहित्य भारती मध्यप्रदेश की अध्यक्ष डॉ. स्नेहलता श्रीवास्तव की प्रेरणा तथा संस्था की झाबुआ इकाई की अध्यक्ष डॉ. जया पाठक के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य भारती, झाबुआ द्वारा 20 अगस्त को स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में 'राष्ट्र के पुनरुत्थान में साहित्य की भूमिका' विषय पर ऑनलाइन विश्वस्तरीय आलेख प्रतियोगिताधध का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश, विदेश के अनेक सहभागी इस विषय पर अपना लेखन कार्य इकाई द्वारा दी गई लिंक पर सम्पादित करेंगे। राष्ट्र के पुनरुथान पर चिंतन निरन्तर होना ही चाहिए और यही इस समय की आवश्यकता भी है। अतः इस माध्यम से राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत इस विषय पर साहित्यकारों की लेखनी और चिंतन हमारे समक्ष होगा।

संस्था के आयोजन संयोजक डॉ. जय बैरागी तथा मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार सोनी ने बताया कि इस आलेख प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था की ओर से सम्मान राशि भी प्रदान की जाएगी। इस प्रतियोगिता में लेखन के लिए 20 अगस्त को दी गई लिंक खोली जाएगी। जो शाम 6 बजे तक खुली रहेंगी तथा इसके बाद आने वाली किसी भी प्रविष्टि को सम्मिलित नहीं माना जाएगा। ज्ञातव्य है कि हिंदी साहित्य भारती विभिन्न आयोजनों के माध्यम से इस समय भारत वर्ष के अतिरिक्त 32 अन्य देशों में भी अपना कार्य कर रही है।

श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूम उठा पूरा पांडाल, सुमधुर भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

प्रभु जब सौंदर्य देता है तो नम्रता होनी चाहिए, घमंड नहीं- पंडित देवेंद्र शास्त्री

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रभु जब सौंदर्य देता है तो नम्रता आनी चाहिए, घमंड नहीं। यह बात समीपस्थ ग्राम बनी में हरिहर आश्रम में चल रही भागवत कथा के पांचवें दिन कथा वक्ता भारत भूषण डॉ. देवेंद्र शास्त्री मंदसौर वाले ने कही। उन्होंने कहा कि सौंदर्य के मतलब को विस्तार पूर्वक समझाया कि सौंदर्य का मतलब सुंदरता, यश, कीर्ति वैभव, पैसा, धन दौलत, शक्ति अगर ये किसी इंसान के पास आ जाए तो नम्रता रखनी चाहिए घमंड नहीं। अगर भगवान की दी हुई इन चीजों पर घमंड करोगे तो भगवान उस घमंड को चकनाचूर कर देता है।

द्वापर युग में भगवान ने इंद्र को भी बादलों की गरज ओर बिजली की कड़क जैसी शक्ति प्रदान की थी। जिससे इंद्र देव को बहुत घमंड आ गया था। वो पृथ्वी लोक के सभी प्राणी को अपनी पूजा नहीं करने पर क्रोधित होते थे और अपनी पूजा करवाने पर दबाव डालते थे। भगवान कृष्ण इंद्र का घमंड तोड़ने के लिए गौपुजा और गौवर्धन पूजा करने का निर्णय लिया। जिससे क्रोधित होकर इंद्र ने मूसलाधार बारिश कर पृथ्वी लोक के प्राणी को डराने का प्राय किया। लेकिन भगवान श्री कृष्ण अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी प्राणियों को बचाकर इंद्र का घमंड चकनाचूर किया। इसीलिए भगवान का दिया हुआ आपके पास कुछ है तो उसका घमंड नहीं करना चाहिए। अगर आपने पास सब कुछ है हो तो अपने व्यवहार में नम्रता जरूर लाए।

भजनों पर पांडल में उपस्थित श्रद्धालु झूम उठे।

श्री कृष्ण के जन्म मनाया गया

उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा को आगे बढ़ाते हुए गोवर्धन पूजा की दिव्य कथा विस्तार पूर्वक सुनाई। इसे सुनकर श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गए। कथा व्यास ने बाल कृष्ण की अनेकों लीलाओं का वर्णन करने के बाद गोवर्धन पूजा व इंद्र के मान मर्दन की दिव्य कथा का सार बताया। इससे पहले श्रीशास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म पर गोकुल में मनाए गए नन्द उत्सव का वर्णन किया। जिसमें बताया कि गोकुल कोई स्थान विशेष का नाम नहीं है, गोकुल तो जीव मात्र का शरीर ही है। जब इस गोकुल रुपी शरीर में भगवान का आगमन हो जाता है तो जीव के जीवन में आनंद ही आनंद जाता है। जीव तब तक ही दुखी रहता है जब तक उसे परमात्मा के स्वरूप का दर्शन हो जाए और जब वह हो जाता है तो सभी कष्ट स्वतः ही समाप्त हो जाते है। आज भगवान के जन्म होते ही सभी गोकुल वासियों के कष्ट मानो समाप्त ही हो गए है, सभी नंद जसोदा को बधाई देने और उपहार प्राप्त करते जा रहे है। श्री शास्त्री ने बताया कि जीवन में जब पाप या अज्ञान आता है तो सुंदर स्वरूप लेकर आती है। परंतु स्वभाव उसका सुंदर नहीं होता। उससे दृष्टि मिलाना भी नहीं चाहिए। पूतना उद्धार की कथा को सुनाते हुए बताया कि पूतना तो पाप का ही रुप है परंतु सुंदर ग्वालन बनकर आती परंतु भगवान ने उसको देखते ही नेत्र बंद कर दिए और लीला करते हुए उसका उद्धार कर दिया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया

गाय की सेवा का का महत्व

उन्होंने कहा कि जहां सत्य व भक्ति का समन्वय होता है। वहां भगवान का आगमन अवश्य होता है। गाय की सेवा का महत्व को समझाते हुए बताया कि प्रत्येक हिन्दू परिवार में गाय की सेवा अवश्य होनी चाहिए। क्योंकि गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गाय का दूध अमृत के समान है। गोवर्धन भगवान की पूजा सभी भक्तों को विधि-विधान से करनी चाहिए। कथा में श्री शास्त्री के संगीत के मधुर स्वर व भजनों पर भक्त जमकर झूमें।

जामली पंचायत काले कारनामें छुपाने के लिए कर रही प्रभारी मंत्री को गुमराह

पौधे लगाकर पर्यावरण को संवारने वाले परिवार पर पौधे उखाड़ने के झूठे आरोप के साथ मामला दर्ज करने का षड्यंत्र

पौधरोपण स्थान पर बिना जाली, तारफेनि्ंसग खुले में पड़े पोधे।

इस प्रकार बिना गाड़े पंचायत ने गड्डो में रख दिए पौधे।

पौधरोपण स्थल पर पशु चराकर पोधे को पंहुचा रहे नुकसान।

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतो में फैला भ्रष्टाचार अब प्रशासन के लिए नासूर बन चुका है। जो सिस्टम को इतना घोखला कर चुका है कि शिकायतो और शिकायतकर्ता को निपटाने के लिए सत्ता पक्ष व प्रशासनिक अधिकारी मिलकर पुलिस का दुरुपयोग कर बिना जांच पड़ताल कर झूठा प्रकरण बनाकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। उसके उलट शिकायतकर्ता की शिकायत पर जिम्मेदार तीन माह बीत जाने के बाद एक कदम भी आगे नही खिसके है। भ्रष्टाचार में ग्राम पंचायतों के साथ सत्तापक्षीय नेता और संगठन के पदाधिकारी अपने कारनामे छुपाने के लिए प्रभारी मंत्री तक को गुमराह करने से नही चूक रहे और सरकार में बैठे नेता अपने कार्यकर्ताओं की शिकायत को बिना जांचे परखे प्रशासन की और कार्रवाई के लिए भेज देते है। ताकि शिकायतकर्ता पर दबाव बनाकर भ्रष्टाचार को बहार आने से रोका जाए।

शिकायतकर्ता पर झूठा प्रकरण बनाकर दबाने का किया प्रयास

मामला ग्राम पंचायत जामली का है। वर्षो से मनरेगा में सरपंच ओर रोजगार सहायक मिलकर अपने रिश्तेदारो, परिवारजनों और शासकीय नोकरी में लगे कोटवारों को फर्जी मजदूरी का भुगतान कर शासन को चुना लगाने का कार्य कर रहे है। जिसकी शिकायत ऑनलाइन मस्टर की कॉपी के साथ की जा चुकी है। ग्राम पंचायत में किए गए भ्रष्टाचार की प्रमाणित जानकारी प्राप्त करने हेतु सूचना का अधिकारी अधिनियम के तहत आवेदन किया गया है। शिकायत करने के तीन माह बाद भी प्रशासन ने जांच करना तक उचित नही समझा, न ही सूचना अधिकार में मांगी गई जानकारी प्रथम अपील का समय बीतने के जानकारी दी गई। प्रशासन सहित जनपद में बैठे अधिकारीयो ने शिकायत को बिना जांच के निपटाने के लिए हर संभव कोशिश की। लेकिन जब सफ्लता नही मिली तो ग्राम पंचायत का सरपंच, पुलिस थाने में शिकायतकर्ता के विरुद्ध शासकीय भूमि पर लगे पौधों को नुकसान पहुचाने और एसटी-एसी एक्ट का दुरूपयोग कर झूठी रिपोर्ट डालकर पुलिस पर प्रकरण दर्ज करने का दबाव बनाता है। लेकिन आवेदन के माध्यम से की गई शिकायत में पुलिस जांच में कोई तथ्य सामने नही आया ओर यह पाया गया कि सरपंच के द्वारा की गई शिकायत, सूचना अधिकार में मांगी गई जानकारी का मामला निपटने के लिए शिकायतकर्ता दबाव बनाने के लिए की गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज नही किया। शिकायतकर्ता लगातार शिकायत की जांच के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर दबाव बना रहा है, जिससे ग्राम पंचायत की मुसीबत बढ़ने की संभवना है।

प्रभारी मंत्री को किया गुमराह, हजारों पेड़-पौधे लगाने वाले क्यों उखड़ेंगे पौधें...!

जानकारी अनुसार, जब ग्राम पंचायत जामली के सरपंच ओर उसके सत्तापक्षीय दलालों की हर कोशिश नाकाम हुई तो 15 अगस्त को झंडा वंदन के लिए आए प्रभारी मंत्री से गुहार लगाते हुए आधी-अधूरी जानकारी परोसकर पुलिस द्वारा कार्रवाई नही करने की शिकायत की और कार्यकर्ताओं के विश्वास में आए मंत्री जी ने शिकायत प्रशासन की और फारवर्ड कर दी। जिसके बाद ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार उजागर करने का प्रयास करने वाले शिकायतकर्ता के विरुद्ध पुलिस पर झूठा प्रकरण दर्ज करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। शिकायतकर्ता पर शासकीय भूमि में पोधे उखाडने का आरोप ग्राम पंचायत सरपंच ने लगाया, जबकि शिकायतकर्ता का परिवार खुद की निजी भूमि पर हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण के लिए कार्य कर रहा है, जिसकी पुष्टि भी की जा सकती है।

जंगल मे लगे पौधों की सुरक्षा के नहीं किए इंतजाम, पशु खा रहे पौधे

ग्राम पंचायत जामली द्वारा जिस शासकीय भूमि पर पोधे लगाए गए वो गाँव से दूर एकांत में है। पंचायत द्वारा पौधो की सुरक्षा के नाम पर पौधों के आस-पास कोई ट्रीगाड़ या तारफेनि्ंसग नही की गई, जिस कारण गाँव के पशु पौधों को नुकसान पहुँचा रहे है। वही ग्राम पंचायत ने दिखावे के लिए कुछ पोधे लगा दिए और बाकी पोधे बिना थैली में से निकाले ऐसे ही कुनटूर गड्डो में पटक दिए। ग्राम पंचायत अपनी लापरवाही और भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए शिकायतकर्ता पर इसका आरोप लगा कर अपना उल्लू सीधा कर रही है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा को भी उक्त मामले के दस्तावेज भेज कर उचित कार्रवाई की मांग शिकायतकर्ता ने की है।

न्यायालय तक नही छोडूंगा, पंचायत का एक-एक भ्रष्टाचार होगा उजागर

ग्राम पंचायत में किए जा रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले शिकायतकर्ता बलराम पाटीदार ने बताया कि, न्यायालय भी अगर जाना पड़ा तो जाऊँगा, ताकि भ्रष्टाचार के सारे मामले सामने आ सके। ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा अपने भ्रष्टाचार को उजागर होने तक मेरी लड़ाई जारी रहेगी। सूचना अधिकार में लगे किसी भी आवेदन की जानकारी नही देना और मेरे द्वारा की गई शिकायत पर कोई जांच तक नही होना प्रशासन और अधिकारियों की मिली भगत का प्रमाण है। शिकायतकर्ता ने बताया कि, पौधें उखाड़ने ओर नुकसान पहुचाने के आरोप झूठे है। मैने स्वयं मेरी भूमि पर 2 से 3 हजार पौधें लगा रखे है।

ध्वजारोहण कर किया कोरोना योद्धा का सम्मान

माही की गूंज, झकनावदा।

स्वतंत्रता दिवस के पावन महापर्व पर ग्राम के पोस्ट ऑफिस कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। पोस्ट ऑफिस झकनावदा एवं पोस्ट ऑफिस धतुरिया के संयुक्त तत्वाधान में झकनावदा में ध्वजारोहण कर कोरोना योद्धाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पोस्ट मास्टर सुनील शिंदे व पोस्ट मास्टर रवि सिंदरा के द्वारा कोरोना योद्धा सम्मान समारोह में पत्रकार मनीष कुमट, जितेंद्र राठौर, गोपाल विश्वकर्मा, डॉ. रमेश सोलंकी, आनंद सिंह सोलंकी, चंद्रशेखर राठौर, योगेश पंवार, बादल प्रजापत आदि को पुष्प माला पहनाकर तिरंगे का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कोरोना वॉलेंटियर टीम के लीडर प्रवीण यादव, सुरेंद्र सिंगार, रतन मखोड, राहुल गुड़िया, विक्की कटारा, मनीष मेड़ा, विजय हिहोर, सुरेंद्र सिंगार का भी पुष्प माला से स्वागत व सम्मान किया गया। साथ ही झकनावदा में ब्लड कॉल सेंटर चलाने वाले तरुण मकवाना एवं संचालक पियूष सिंगार का गांव के वरिष्ठ नागरिक हरिराम परिहार एवं निलेश सोनी द्वारा सम्मान कर उनकी सेवाओं की सराहना की।

वैक्सीनेशन को लेकर सामाजिक स्तर पर कई तरह की भ्रांतियां फैली हुई थी जिस पर सांसद प्रतिनिधि राजेश कॉसवा व उनकी टीम द्वारा वैक्सीनेशन को लेकर ग्राम में अभियान चलाकर शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कार्य करवाया गया। वैक्सीनेशन में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रभारी मंत्री व कलेक्टर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर सांसद प्रतिनिधि राजेश कॉसवा एंव प्राथमिक शिक्षक हेमेंद्र कुमार जोशी, हल्का पटवारी मलजी डामर, सेक्टर सुपरवाइजर बहादुर मेडा, एएनएम सविता पटेलिया, आशा सुपरवाइजर मंजू सोलंकी, आशा कार्यकर्ता आशा निनामा व ग्राम पंचायत सरपंच बालु मैडा, सचिव भीमसिंह कटारा को सम्मानित किया गया।

निकली महाकाल की शाही सवारी

शिव भक्ति में डूबे अंचल में शिव मंदिरों पर कई आयोजन पूरे श्रावन माह चल रहे है। इस कड़ी में श्रावण माह के अंतिम सोमवार को महाकाल भक्त मंडल झकनावदा द्वारा बाबा महाकाल की शाही सवारी का आयोजन किया गया। जिसमें डीजे, बैंड, ढोल, ताशो के साथ बाबा की शाही पालकी एवं साथ ही भोलेनाथ की झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

मंदिर परिसर में रामयण मण्डल ने किया पौधरोपण

माही की गूंज, थांदला।

रामायण मंडल ने समीपस्थ ग्राम खजुरी स्थित मंछामहादेव मंदिर व नृसिह धाम मंदिर परिसर में वृहद स्तर पर औषधीय पौधे रोपे। बता दे कि, खजुरी के इन दोनों मंदिर परिसर में पुजारी मनोज चतुर्वेदी द्वारा ओषधीय उद्यान का संकल्प लेकर औषधीय पौधों का रोपण शुरू किया था। पौधरोपण के प्रथम चरण में श्रावण माह के पहले सोमवार को नगर के पत्रकारों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के आतिथ्य में पौधरोपण करवाया गया था। द्वितीय चरण में श्रावण माह के अंतिम सोमवार को रामायण मंडल के सदस्यों द्वारा ओषधीय फल-फूल जिनमे गुड़हल, अमरूद, सीताफल, आंवला, कटहल, निम्बू ओर समी के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर श्रावण माह में रामेश्वर मंदिर राजस्थान के केलादेवी आश्रम से पधारे महंत बेलगिरीजी महाराज के साथ रामायण मंडल के वरिष्ठ सदस्य भगवान लाल शर्मा, जगमोहन सिंह राठौर, रज्जु उपाध्याय, बालकृष्ण आचार्य, ओम प्रकाश शर्मा, अक्षय भट्ट, कमलेश एस जेन, कुलदीप झाला, विजय जोशी देवेंद्र राठौर, महेंद्र उपाध्याय, श्री झा, गौरव चौहान, बालमुकुंद शर्मा, सुनील माली, प्रदीप, गौतम राठौर सहित बड़ी संख्या में भक्त और मंडल सदस्य मौजूद थे।

शत-प्रतिशत पौधारोपण कर एप पर दर्ज करें

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में समयावधि पत्र (टीएल) की बैठक आयोजित की गई। 17 अगस्त को आजीविका भवन झाबुआ में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें आवश्यक व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करें। आगामी कलेक्टर कान्फ्रेन्श आयोजित है। विभाग से संबंधित बिन्दुओं की तैयारी कर तत्काल अवगत कराए।

सभी विभाग अंकुर एप को डाउनलोड कर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी का शत-प्रतिशत पौधारोपण कर इस एप में दर्ज करें। आगामी टीएल की बैठक में इसकी समीक्षा सर्वप्रथम होगी। सभी कार्यालय प्रमुख अपने विभाग का फेसबुक अकाउण्ट तथा ट्यूटर अकाउण्ट अनिवार्य रूप से खोले जिसमें विभाग की गतिविधियों को पोस्ट करे व शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इस अकांउट से करें। अधिकांश विभागों ने अपने कार्यालय के ट्यूटर अकांउट व फेसबुक अकांउट खोल दिए गए है। जिस पर विभाग की गतिविधियों को दर्ज करने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

लंबित प्रकरणों का तत्काल करें निराकरण

सीएम हेल्पलाईन के यदि 500 दिवस से उपर, 300 दिवस तथा 100 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। लंबित प्रकरणों की जानकारी भी अनिवार्य रूप से लाएं तथा प्रतिवेदन को पोर्टल पर दर्ज करें। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में पूर्ण गम्भीरता का पालन करते हुए एल-1 पर ही सात दिवस के अंदर निराकरण किए जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बैठक में जनसुनवाई, प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री को प्रस्तुत आवेदन, इसके अतिरिक्त विभागीय गतिविधियों के बारे में चर्चा की। बैठक में भू-माफिया, मिलावट माफिया, अवैध शराब, जिला बदल की कार्यवाही, राशन माफिया, खनन माफिया, गुण्डा तत्व पर कार्यवाही करें एवं की गई कार्यवाही को पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एलएन गर्ग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परस्ते, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर अनिल भाना, डिप्टी कलेक्टर डॉ. अभयसिंह खराडत्री, डिप्टी कलेक्टर सोहन कनाश, डिप्टी कलेक्टर अंकिता प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा तथा समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शिव भक्ति में डूबा रहा नगर, नीलकंठेश्वर के विशेष श्रृंगार के साथ हर सोमवार को हुई भजन संध्या

शाही सवारी और लाव लश्कर के साथ नगर भ्रमण को निकलेंगे भगवान नीलकंठेश्वर

प्रथम सोमवार को अमरनाथ का श्रृंगार।

द्वितीय सोमवार को कालका रूप श्रृंगांर।

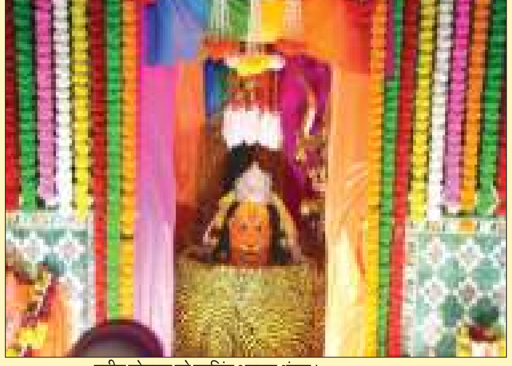
तृतीय सोमवार को नरसिंग अवतार श्रृंगार।

चतुर्थ सोमवार को तिरंगा थीम के साथ गणेश अवतार श्रृंगार।

माही की गूंज, पेटलावद।

बीते दो वर्षो में कोरोना संक्रमण की भेंट चढ़े कई त्यौहारों के बाद इस बार श्रावन माह में शिव भक्त फिर से शिव भक्ति में रमते नजर आए। नया नगर में स्थित भगवान नीलकंठेश्वर मन्दिर को पूरे श्रावन माह में मंदिर की विशेष साज-सज्जा कर भगवान शिव के विशेष श्रृंगार के साथ-साथ हर श्रावन सोमवार को भजन संध्या और महाप्रसादी का आयोजन किया गया। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी भगवान नीलकंठेश्वर 23 अगस्त सोमवार को नगर की जनता का हाल जानने के लिए शाही सवारी में लाव लश्कर के साथ निकलेंगे, जिसकी तैयारियां शुरू हो गई है।

9 वर्षों से जारी है शाही सवारी का भव्य आयोजन

नीलकंठेश्वर मन्दिर प्रांगण में प्रति वर्ष श्रावन माह में आयोजन होते रहे है लेकिन विगत 9 वर्षों से निकल रही शाही सवारी नगर सहित अंचल के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जिसको देखने के लिए पूरे नगर सहित अंचल उमड़ता है। श्रावन माह में होने वाले समस्त आयोजन की पूरी रूप रेखा और तैयारी का कार्य नगर की समाजसेवी संस्था गौतम ग्रुप द्वारा की जाती है। प्रति वर्ष शिव भक्तो के लिए नए-नए आयोजन लेकर आते है।

श्रावन सोमवार को हुआ विशेष श्रृंगार

नीलकंठेश्वर मन्दिर, अति प्राचीन और शिव भक्तो की आस्था का केंद्र बना हुआ है और यहां मांगी जाने वाली मन्नते भी पूरी होती है। श्रावन माह में शिव के दर्शन का विशेष महत्त्व होता है, श्रावन माह के प्रत्येक सोमवार को नीलकंठेश्वर भगवान नए रूप में भगतो को दर्शन देते है। इस बार नीलकंठेश्वर महादेव को पहले सोमवार को बाबा बर्फानी, दूसरे सोमवार को माँ कालका, तीसरे सोमवार को नरसिंग अवतार और अंतिम सोमवार को 15 अगस्त आज़ादी की थीम तिरंगे की सॉज-सज्जा के साथ गणेश अवतार का श्रृंगार किया गया। जिनके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तो में मन्दिर में तांता लगा रहा।

स्थानीय कर्मवीरों का किया सम्मान

माही की गूंज, खवासा।

कोविड-19 की प्रथम व द्वितीय लहर में स्थानीय स्तर पर सहयोगात्मक प्रयास कर लोगो की सेवा करने वाले 6 कर्मविरो का सम्मान मुक्तिधान नगर विकास समिति ने स्थानीय शंकर मंदिर पर आयोजन रख संम्मान किया गया।

जिसमे पंचायत कर्मी जितेंद्र लोट ग्राम की सफाई के साथ ही कोरोना गाइडलाइन का पालन करवाने हेतु एलाउंस कर लोगो को जागरूक किया। वही स्वास्थ्य सुविधा देते हुए मुकेश पाटीदार, आयुष विभाग के शासकिय कर्मचारी संजय भगत, शासकीय सेवा देने वाले स्वास्थ्य कर्मी मनोहर पाटीदार के साथ कोरोना ग्रसित परिवार के लिए टिफिन-भोजन की व्यवस्था आशीष कोठारी, भानुप्रतापसिंह ने की थी जिनका सम्मान किया गया।

आयोजन में मुख्य रूप से कैलाश डेरिया, जगदीश भगत, जगन्नाथ भगत, कमलेश क्षोत्रिय, थांदला जनपद उपाध्यक्ष राजेन्द्र भगत, शांतिलाल व्यास, कैलाश चंद्र कहार, मनीष चौहान, बलराम बैरागी, रवि वागरेचा, नितिन कोठारी, संजय व्यास, संदीप वागरेचा, अंकित चौपड़ा आदि उस्थित थे।

संपादकीय

समृद्धि का संकल्प

जहां विभाजन का दर्द, आजादी का अमृत महोत्सव, इशारों में चीन और पाकिस्तान को कड़ा संदेश वहीं सबका साथ, सबका प्रयास, 21 वीं सदी के उस भारत का खाका जिस पर आजादी के 100 वें मौके पर इसी लालकिले की प्राचीर से तब के प्रधानमंत्री चर्चा करें, नई शिक्षा नीति, बेटियों, युवाओं, प्रतिभाओं, खेलों, छोटे किसानों, पर्यावरण, हरित ऊर्जा, रोजगार, आतंकवाद व विस्तारवाद की चुनौतियों के बावजूद मेड इन इण्डिया पर लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस सधे और आत्मविश्वास से भरे

अंदाज में देश को संबोधित किया वह निश्चित रूप से विश्व में भारत की बेहद अलग छवि को दिखाता है।

नए भारत के सृजन के अगले 25 वर्षों पर विशेष रूप से केन्द्रित अपने भाषण में इस बार प्रधानमंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई से लेकर सुभाष चन्द्र बोस तथा भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, देश को एकजुट राष्ट्र में तब्दील करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर तक का जिक्र कर उनके ऋण और देश भक्ति की न केवल याद दिलाई बल्कि नेहरू जी का नाम लेकर एक निर्विवाद, निष्पक्ष व दुनिया में भारत के लिए कुछ भी कर गुजरने वाले संकल्पित राजनेता की छवि व छाप भी छोड़ यह भी अनकहे जता दिया कि उनके लिए देश से बढ़कर कुछ भी नहीं।

नि:संदेह, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का देश को संबोधन महज रस्मी नहीं होता, इससे जहां सरकार की रीतियों-नीतियों व उपलब्धियों का पता चलता है, वहीं भविष्य की रणनीतियों का भी खुलासा होता है। स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में प्रवेश करते देश के सामने 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां देश के गौरवशाली अतीत का जिक्र करके राष्ट्रीय आंदोलन के नायकों व शहीदों का भावपूर्ण स्मरण किया, वहीं एक नागरिक के रूप में हमारी जवाबदेही का अहसास भी कराया। उन्होंने देश की आजादी यात्रा के अमृतकाल में प्रवेश पर उन योजनाओं का भी खाका खींचा जो देश के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करते वक्त स्वर्णिम तस्वीर उकेर सकेंगी। उन्होंने इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को तो जाहिर किया ही, साथ ही युवा शक्ति के देश से अपने सामर्थ्य से इस राष्ट्रीय यज्ञ में आहुति देने का आह्वान भी किया, जिससे देश दुनिया में खुद को सबसे बड़े व सफल लोकतंत्र के रूप में साबित कर सके। उन्होंने युवा आबादी के रूप में देश के संसाधनों की ताकत का जिक्र करते हुए अमृतकाल के संकल्पों का पूरा होने का विश्वास भी जताया। प्रधानमंत्री ने जहां सहकारिता की अवधारणा पर बल देते हुए सरकार व समाज की सामूहिक भागीदारी का जिक्र किया, वहीं इस दिशा में प्रयासों के लिए सहकारिता मंत्रालय खोले जाने की जानकारी भी दी। प्रधानमंत्री ने उन बाधाओं को दूर करने के प्रति भी चेताया जो नए उद्यमों को शुरू करने तथा रचनात्मक प्रयासों में बाधक बनते हैं। उन्होंने कहा कि, कौशल विकास की दिशा में हमने नियम-प्रक्रियाओं के सरलीकरण की तरफकदम बढ़ाया है, लेकिन इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने विकास की गति को मंथर करने वाली लाल फीताशाही को खत्म करने का आह्वान किया, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सरकारी विभागों व कर्मचारियों को कार्यशैली के सरलीकरण पर जोर दिया, जिससे भारत में नए उद्यम लगाने व उद्योगों के विकास की राह सरल बन सके।

प्रधानमंत्री ने इस अमृतकाल की विशिष्ट यात्रा में जन-भागीदारी की वकालत की और मोदी सरकार के चिर-परिचित नारे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' में उन्होंने 'सबका प्रयास' भी जोड़ा है जो स्वतंत्रता सेनाओं के अथक प्रयासों से हासिल स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने में सहायक साबित होगा। साथ ही कहा कि, हर व्यक्ति अपनी भूमिका के जरिए राष्ट्र विकास में अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास करे। प्रधानमंत्री ने समतामूलक विकास की कड़ी में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लिए सरकार द्वारा संसद में लाए गए विधेयक का जिक्र भी किया। वहीं बीते वर्ष सरकार द्वारा लाए गए तीन नए कृषि कानूनों के कुछ राज्यों में जारी विरोध के बीच प्रधानमंत्री ने किसानों को भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि, देश के अस्सी फीसदी किसान दो हेक्टयेर जमीन पर जीविका उपार्जन कर रहे हैं। सरकार ने इस तबके को ध्यान में रखकर नीतियां तैयार की हैं। इनके लिए कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सीधे उनके खातों में भेजी गई है। सरकार का प्रयास है कि, हर ब्लॉक स्तर पर कृषि उपज भंडारण की व्यवस्था की जाए। उनके भाषण में सबसे महत्वपूर्ण विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए सौ लाख करोड़ खर्च करने का उल्लेख था। साथ ही उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों के प्रति सरकार की प्राथमिकता को उजागर किया और सभी पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को रेल से जोड़ने का संकल्प जताया। इसके अलावा देश को जोड़ने के लिए 75 ट्रेन आरंभ करने की भी बात कही।

इससे पहले स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कोरोना योद्धाओं के प्रयासों को सराहते हुए देशवासियों को चेताया कि, अभी कोरोना संकट टला नहीं है, इसलिए सुरक्षा उपायों की अनदेखी न करें। उन्होंने कृषि क्षेत्र के उल्लेखनीय विकास, टोक्यो में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन और कोविड संकट के बाद उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। साथ ही जम्मू-कश्मीर में बदलाव को युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया।

अपने निराले अंदाज और खास सूत्रों के चलते अलग पहचान रखने वाले नरेन्द्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर देश को 8वीं बार संबोधित करते हुए 88 मिनट का भाषण दिया और पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी बन गए, जिन्होंने 8 बार ध्वजारोहण किया। इसके पहले उन्होंने 2020 में 86 मिनट, 2019 में 92 मिनट, 2018 का 82 मिनट, 2017 में 57 मिनट, 2016 में 94 मिनट, 2015 में 86 मिनट तथा 2014 में 65 मिनट का भाषण दिया था। सबसे छोटा भाषण 2017 में दिया था जबकि सबसे बड़ा भाषण 2016 में दिया। इस तरह इन 8 वर्षों के सारे भाषण को जोड़ दिया जाए तो नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से 10 घंटे 52 मिनट भाषण दिया।

यह तो सच है कि, भारत ने असाधारण समय में असंभव को संभव किया है। अब आगे उसी इच्छाशक्ति से हरेक भारतीय को चलना होगा ताकि 2022 में आजादी के 75 वर्ष का पर्व और भी गर्व से मना सकें। 21वीं सदी के इस दशक में भारत को नई नीति और नई रीति से ही बढ़ना होगा क्योंकि अब साधारण से काम चलने वाला नहीं। प्रधानमंत्री ने बड़ी दूरदर्शी शब्दों से उद्बोधन समाप्त कर बड़ा संदेश दिया है, 'यही समय है, सही समय है, भारत का अनमोल समय है।'

सेवाओं के सूर्योदय बाजार की ओर बढ़े

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में देश के समक्ष 400 अरब डॉलर के माल के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो कि कोरोना काल पूर्व के निर्यातों से लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। निर्यातों को बढ़ाना इसलिए जरूरी होता है कि हमें जरूरी आयातों के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करनी होती है। लेकिन माल के निर्यातों से हम अपने बहुमूल्य संसाधनों का निर्यात करते हैं। जैसे चावल का निर्यात करने में हम अपनी भूमि और पानी को चावल में पैक करके विदेशियों की खपत के लिए भेज देते हैं। फिर इस निर्यात से अर्जित रकम से हम दूसरे माल जैसे अमेरिकी अखरोट अथवा स्विट्ज़रलैंड की चॉकलेट का आयात करते हैं। अंतिम उद्देश्य देशवासियों की खपत का ही है। हम अपने द्वारा उत्पादित माल जैसे चावल का सीधे अपने देशवासियों को देकर उनकी खपत में वृद्धि कर सकते हैं अथवा पहले अपने माल का निर्यात करके उसके एवज में चीन में बने लेड बल्ब का आयात करके पुनः अपने देशवासियों को खपत के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। प्रश्न है कि, क्या हमें निर्यात के माध्यम से अपने नागरिकों की खपत बढ़ानी चाहिए अथवा सीधे ही अपने माल की खपत बढ़ानी चाहिए? जैसे देश में उत्पादित चावल को सीधे ही अपने नागरिकों को उपलब्ध करा दिया जाए अथवा चीन में बने लेड बल्ब को उपलब्ध कराया जाए। सीधे दिखता है कि, यदि हम स्वयं लेड बल्ब को चीन के समतुल्य सस्ता बना लें तो चावल के निर्यात और बल्ब के आयात का झंझट नहीं रह जाएगा।

आज विश्व का एक ही बाजार स्थापित हो गया है। हमारे उद्यमी चीन में फैक्टरियां लगाकर वहां पर माल बनाकर चीन से भारत एवं अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि, हमारे उद्यमियों के पास वैश्विक स्तर की उत्पादन तकनीकें उपलब्ध हैं और कच्चे माल का एक ही वैश्विक बाजार है। जैसे लेड बल्ब बनाना है तो भारत का उद्यमी आज यह पसंद करता है कि वह चीन में बनाकर चीन से भारत को निर्यात करे। वह भारत में ही उसी लेड बल्ब को बनाना पसंद नहीं करता। यद्यपि उसके पास तकनीकें और कच्चा माल उपलब्ध है। जब हमारे उद्यमी देश में लेड बल्ब का उत्पादन करना नहीं चाह रहे हैं तो उस परिस्थिति में सोचना कि हम देश में लेड बल्ब जैसे तमाम माल का उत्पादन करके निर्यात बढ़ा सकेंगे, लगभग असंभव दिखता है। इस समस्या का एक पक्ष देश की न्याय व्यवस्था, श्रम कानून इत्यादि है, जिससे अपने देश में सभी माल की उत्पादन लागत अधिक हो जाती है। निर्यातों के सन्दर्भ में अपने देश की नौकरशाही का अवरोध है।

मुंबई के एक निर्यातक ने अपनी दास्तां इस प्रकार बयां करते हुए बताया, उन्हें 40 टन का एक कंटेनर केमिकल का निर्यात किसी विशेष दिन तक करना था। उनका कंटेनर बंदरगाह पर समय से पहुंच गया। लेकिन बंदरगाह के इंस्पेक्टर ने कहा कि, वह उस कंटेनर में रखे हुए 25-25 लीटर के एक हजार छः सौ जरकिन को प्रत्येक को निकाल कर वजन करेंगे। यदि इंस्पेक्टर ऐसा करते तो इस कार्य में 2 दिन लग जाते और निर्यातक का आर्डर कैंसिल हो जाता और उसे डैमेज भी देने पड़ते। इस परिस्थिति में निर्यातक ने इंस्पेक्टर को 50 हजार रुपए की घूस दी और अपने माल का निर्यात किया। सरकार को अपने उद्यमियों द्वारा अपने देश में ही माल के उत्पादन को न किए जाने के कारणों को जानकर उनका निवारण करना चाहिए, जिसमें प्रमुख नौकरशाही का अवरोध है।

वर्तमान समय में निर्यातों को बढ़ाने में कोरोना संकट का भी अवरोध है। तमाम विश्लेषकों का मानना है कि, कोरोना संकट के अलग-अलग समय अलग-अलग देशों में उत्पन्न होने के कारण बड़े उद्यमी विदेशों से आयातित माल पर निर्भर नहीं होना चाहते। उन्हें भय रहता है कि, यदि कच्चा माल सप्लाई करने वाले देश में कोरोना का संकट आ गया और माल समय से नहीं पहुंचा तो उनका स्वयं का उत्पादन ठप हो जाएगा। इसलिए वैश्विक स्तर पर माल के उत्पादन का 'राष्ट्रीयकरण' होने की तरफहम बढ़ रहे हैं। उद्यमी चाहते हैं कि, कच्चा माल स्वयं बना लें। इस परिस्थिति में अपने देश से निर्यातों को बढ़ाना तीन कारणों से कठिन होगा। पहला यह कि, अपने उद्यमियों को स्वयं देश में उत्पादन रास नहीं आ रहा है। दूसरा यह कि, हमारी नौकरशाही द्वारा निर्यातों में अवरोध पैदा किया जा रहा है। और तीसरा यह कि, वैश्विक बाजार राष्ट्रीयकरण की तरफबढ़ रहा है।

फिर भी अपनी कुछ जरूरतों जैसे ईंधन, तेल एवं फॉस्फेट फर्टिलाइज़र के आयातों के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए निर्यातों को बढ़ाना ही होगा। इस दिशा में सरकार को तीनों समस्याओं का निदान करना होगा। पहले, जैसा ऊपर बताया गया है कि, माल के वैश्विक व्यापार का राष्ट्रीयकरण होगा। लेकिन जानकारों का मानना है कि, सूचना का वैश्वीकरण और तेजी से होगा। सूचना या सॉफ्ट माल को इंटरनेट के माध्यम से आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जा सकता है। इसमें कोरोना की बाधा नहीं आती है। इसलिए सरकार यदि उत्पादित माल के निर्यात बढ़ाने के स्थान पर सेवाओं जैसे ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, अनुवाद, सिनेमा, संगीत आदि के निर्यात पर ध्यान दे तो हम सफल हो सकते हैं। सेवाओं के सूर्योदय मार्केट की तरफ हमें बढ़ना चाहिए और माल के वैश्विक मार्केट के पीछे नहीं भागना चाहिए।

दूसरा, देश के उद्यमी अपना देश छोड़कर जो बांग्लादेश, वियतनाम, चीन आदि देशों में जाकर फैक्टरी लगा रहे हैं, उसके पीछे सामाजिक विवादों में वृद्धि दिखती है। अपने देश का सामाजिक ढांचा थरथरा रहा है। उद्यमी नहीं चाहता कि, वह अपने परिवार या अपने स्वयं के जीवन को इस प्रकार के वातावरण में रखे। इसलिए उनके लिए यह उत्तम रहता है कि, वे ऐसे देश में जाकर कार्य करें जहां पर उनकी अपनी और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित हो। इसलिए सरकार को देश में सामाजिक सौहार्दता बनाने पर ध्यान देना होगा।

तीसरा, नौकरशाही द्वारा जो निर्यातों में अवरोध पैदा किए जा रहे हैं, उसके लिए केवल ऊपर से भ्रष्ट अधिकारियों को सेवानिवृत्त करना जरूरी है लेकिन केवल इतना करने से सफलता नहीं मिलेगी। जब ऊपर से सख्ती की जाती है तो नीचे के अधिकारी कहते हैं कि, ऊपर से सख्ती हो रही है, इसलिए हमें घूस ज्यादा चाहिए। इसलिए नीचे से अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जन सहयोग की व्यवस्था करनी पड़ेगी। जनता के सहयोग से ही नीचे के भ्रष्टाचार और नौकरशाही के अवरोध को दूर किया जा सकेगा। इन कदमों से सरकार फिर भी कुछ हद तक निर्यातों में वृद्धि हासिल कर सकती है।

काबुल : भारत की बोलती बंद क्यों है?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

पिछले दो हफ्तों से मैं बराबर लिख रहा हूं और टीवी चैनलों पर बोल रहा हूं कि, काबुल पर तालिबान का कब्जा होने ही वाला है। लेकिन मुझे आश्चर्य है कि हमारा प्रधानमंत्री कार्यालय, हमारा विदेश मंत्रालय और हमारा गुप्तचर विभाग आज तक सोता हुआ क्यों पाया गया है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से लंबा-चौड़ा भाषण दे डाला और 15 अगस्त को जिस समय उनका भाषण चल रहा था, तब तालिबान, काबुल के राजमहल (काखे-गुलिस्तां) पर कब्जा कर रहे थे। लेकिन ऐसा नहीं लगा कि भारत को ज़रा-सी भी उसकी चिंता है। अफगानिस्तान में कोई भी उथल-पुथल होती है तो उसका सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान और भारत पर होता है लेकिन ऐसा लग रहा था कि, भारत खर्राटे खींच रहा है जबकि पाकिस्तान अपनी गोटियाँ बड़ी उस्तादी के साथ खेल रहा है। एक तरफ वह खून-खराबे का विरोध कर रहा है और पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अशरफगनी के समर्थक नेताओं का इस्लामाबाद में स्वागत कर रहा है और दूसरी तरफ वह तालिबान की तन, मन, धन से मदद में जुटा हुआ है। ताजा खबर यह है कि, अब वह काबुल में एक कमाचलाऊ संयुक्त

सरकार बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत की बोलती बिल्कुल बंद है। वह तो अपने डेढ़ हजार नागरिकों को भारत भी नहीं ला सका है। वह सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है लेकिन वहां भी उसके नेतृत्व में सारे सदस्य जुबानी जमा-खर्च करते रहे। मेरा सुझाव था कि, अपनी अध्यक्षता के पहले दिन ही भारत को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की एक शांति-सेना भेजने का प्रस्ताव पास करवाना था, यह काम वह अभी भी करवा सकता है। कितने आश्चर्य की बात है कि जिन मुजाहिदीन और तालिबान ने रूस और अमेरिका के हजारों फौजियों को मार गिराया और उनके अरबों-खरबों रुपयों पर पानी फेर दिया, वे तालिबान से सीधी बात कर रहे हैं लेकिन हमारी सरकार की अपंगता और अकर्मण्यता आश्चर्यजनक है। मोदी को पता होना चाहिए कि, 1999 में हमारे अपहृत जहाज को कंधार से छुड़वाने में तालिबान नेता मुल्ला उमर ने हमारी सीधी मदद की थी। प्रधानमंत्री अटल जी के कहने पर पीर गैलानी से मैं लंदन में मिला। वाशिंगटन स्थित तालिबान राजदूत अब्दुल हकीम मुजाहिद और कंधार में मुल्ला उमर से मैंने सीधा संपर्क किया और हमारा जहाज तालिबान ने छोड़ दिया। तालिबान पाकिस्तान का प्रगाढ़ ऋणी हैं लेकिन वे भारत के दुश्मन नहीं हैं। उन्होंने अफगानिस्तान में भारत के निर्माण-कार्य का आभार माना है और कश्मीर को भारत का आतंरिक मामला बताया है। हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला हमारे मित्र हैं। यदि वे तालिबान से सीधी बात कर रहे हैं तो हमें किसने रोका हुआ है? अमेरिका ने अपनी शतरंज खूब चतुराई से बिछा रखी है लेकिन हमारे पास दोनों नहीं है। न शतरंज, न चतुराई... !

चाणक्य नीति

भोजन के योग्य पदार्थ और भोजन करने की क्षमता, सुन्दर स्त्री और उसे भोगने के लिए काम शक्ति, पर्याप्त धनराशी तथा दान देने की भावना - ऐसे संयोगों का होना सामान्य तप का फल नहीं है।

काम की बात

चुप ना रहना कभी इतना भी, कि हर बात के लिए चुप किये जाने लगो।

एक सलाह

जो लोग अपनी गलतियां नही मानते वह आपको अपना कैसे मानेंगे।

अधिकारियों ने लापरवाही की तो जुर्माना

अनुप भटनागर

अधिकारियों ने लापरवाही की तो जुर्माना

अदालतों में मुकदमे दायर करने के मामले में केंद्र और राज्य सरकारें सबसे आगे हैं। ये ही नहीं, केन्द्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों के अधिकारी उच्चतम न्यायालय में अपील या विशेष अनुमति याचिका दायर करने के लिये निर्धारित समय सीमा की अवहेलना करने के मामले में भी सबसे आगे हैं। सर्वोच्च न्यायालय विलंब से अपील दायर करने के मामलों में कई बार सख्त टिप्पणियां करने के साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों पर इसके लिए जुर्माना भी लगा चुका है।

न्यायालय को भी अब लगता है कि, सिर्फ 'खारिज हुआ प्रमाण-पत्र' प्राप्त करने के लिए ही सरकारी महकमे ऐसा करते हैं। इसलिए उसने भी इन्हें वर्गीकृत प्रमाणित मामलों की श्रेणी में रखना शुरू कर दिया है। ऐसे मामलों में अधिकारी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए ऐसा करते हैं ताकि भविष्य में उनके खिलाफकोई कार्रवाई नहीं की जा सके और मुकदमे में राहत नहीं मिलने का ठीकरा न्यायालय पर फोड़ा जा सके। न्यायालय ने अब इस तरह के अत्यधिक विलंब के मामलों में सरकारों पर जुर्माना करने के साथ ही इसकी जांच करने और विलंब की जिम्मेदारी निर्धारित करके ऐसे अधिकारियों से यह रकम वसूलने का आदेश देना शुरू कर दिया है। न्यायालय ने अपने आदेशों में यह भी कहा है कि, लापरवाह अधिकारियों से धनराशि वसूले जाने का प्रमाण-पत्र उसके सामने पेश किया जाए। केन्द्र और राज्य सरकारों पर जुर्माना लगाने के न्यायिक आदेशों का बहुत ज्यादा असर नहीं होते देख अब उच्चतम न्यायालय ने ऐसा निर्णय लिया।

किसी वाद में आदेश या फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में 90 दिन के भीतर अपील करनी होती है। इस अवधि के बाद अपील दायर होने पर विलंब माफ करने का आवेदन किया जाता है। आमतौर पर न्यायालय इस विलंब के लिए माफी का अनुरोध स्वीकार कर लेता है। लेकिन यह देखा जा रहा है कि, केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से दायर होने वाली याचिकाओं तथा अपीलों में विलंब हफ्ता दो हफ्ता नहीं बल्कि चार-चार वर्ष तक का हो रहा है। न्यायालय बार-बार सरकारों को आगाह कर रहा है कि, वह विलंब से अपील या याचिका दायर करने के सरकारी अधिकारियों के रवैये को अपना अधिकार नहीं समझे। सरकार को तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि, उसकी अपील या याचिका कानून और नियमों के तहत निर्धारित अवधि के भीतर दाखिल की जाए ताकि यह दूसरे वादकारियों के लिए नजीर बने। लेकिन यहां इसका उलटा हो रहा है।

न्यायालय ने नाराजगी के चलते हाल ही में एक हजार 356 दिन के विलंब से दायर केन्द्र की एक अपील खारिज करते हुए 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। साथ ही न्यायालय ने कहा कि, अगर वह समय के भीतर याचिका दायर करने में सक्षम नहीं है तो उसे समय सीमा की अवधि बढ़ाने का विधायिका से अनुरोध करना चाहिए। केन्द्र सरकार ने पंजाब उच्च न्यायालय के 31 जुलाई 2017 के फैसले के खिलाफएक हजार 356 दिन के विलंब से याचिका दायर की थी।

इसी तरह से अपील दायर करने में लापरवाही और विलंब के मामले में शीर्ष अदालत ने 23 जनवरी 2021 को उत्तर प्रदेश और कर्नाटक सरकार पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना किया था। उ.प्र. सरकार ने अपील दायर करने में 502 और कर्नाटक ने एक हजार 288 दिन का विलंब किया था। न्यायालय ने जनवरी महीने में ही एक हजार 954 दिन के विलंब से अपील दायर करने पर ओडिशा सरकार पर 25 हजार रुपये का जुर्माना किया था जबकि मध्य प्रदेश सरकार को भी 663 दिन के विलंब से अपील दायर करने पर न्यायालय ने जुर्माना लगाया था।

इसी वर्ष फरवरी में न्यायालय ने एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के मई 2002 के मूल आदेश के 6 हजार 616 दिन के विलंब से दायर की गई, केंद्र की अपील खारिज करते हुए उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। शीर्ष अदालत ने जुर्माने की यह राशि इस विलंब के लिए दोषी अधिकारियों से वसूल कर इसका प्रमाण-पत्र पेश करने का भी आदेश दिया था। न्यायालय ने इसी वर्ष अप्रैल में एक आपराधिक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा 314 दिन के विलंब से अपील दायर किए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने जांच एजेंसी से कहा था कि, पहले वह इस विलंब की जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए जांच कराए और उसकी रिपोर्ट दे। इसके बाद यह इस अपील को विचारार्थ स्वीकार करने का अनुरोध करे।

दरअसल, केंद्र और राज्य सरकारों की विलंब के कारण दायर अपील खारिज होने का लाभ दूसरे पक्ष को मिलता है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि, इस विलंब में कहीं न कहीं नौकरशाही की मिलीभगत होती है और न्यायालय ने अपने आदेशों में बार-बार कहा भी है कि, सिर्फ अपील खारिज होने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए ही इतनी देर से इन्हें दायर किया जाता है। बेहतर हो कि सरकार इस ओर गंभीरता से ध्यान दे तथा ऐसे विलंब के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर विभागीय कार्रवाई करे।

मंदसौर व भानपुरा सीएमओ को जिला सीईओ ने लगाई फटकार

दोनों का एक-एक माह का रोका वेतन

माही की गूंज, मंदसौर।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को लेकर लंबे समय से लापरवाही बरत रहे मंदसौर नगर पालिका एवं भानपुरा सीएमओ को साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सिओ कुमार सत्यम ने जमकर फटकार लगाई। अकेले मंदसौर नगर पालिका में 337 शिकायतें लंबित हैं। इनमें से अधिकांश शिकायतें बिजली, सफाई जैसी समस्याओं को लेकर हैं। इसके बावजूद सीएमओ इन शिकायतों का निराकरण नहीं कर पा रहे हैं, वहीं भानपुरा नगर परिषद में भी इसी तरह की शिकायतों के निराकरण के लिए जनता परेशान हो रही है। इतनी शिकायतें लंबित होने के कारण मंदसौर जिला प्रदेश में डी स्तर पर पहुंच चुका है। समीक्षा बैठक के दौरान नगर पालिकाओं की इतनी शिकायतें लंबित देख सिओ ने कहा कि, जनता की शिकायतों से आपको कोई फर्क नहीं पड़ता है क्या...?

सिओ ने मंदसौर एवं भानपुरा सीएमओ के एक-एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कार्रवाई के लिए प्रस्ताव कमिश्नर को भी भेजने की बात कही गई।

मंगलवार को साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सिओ कुमार सत्यम ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की। इस दौरान सबसे ज्यादा शिकायतें मंदसौर नगर पालिका, भानपुरा नगर परिषद एवं सीतामऊ नगर परिषद की मिली। बैठक में मौजूद नगर पालिका सीएमओ प्रेमकुमार सुमन से शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं होने के संबंध में चर्चा की, इस दौरान फटकार भी लगाई। मंदसौर नपा की कुल 337 शिकायतें लंबित हैं। हेल्पलाइन में शिकायत करने वाली जनता की शिकायतों पर नपा के सीएमओ ध्यान तक नहीं दे रहे हैं। लंबे समय से मंदसौर नपा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में रुचि नहीं ले रही है। इस दौरान नपा सीएमओ प्रेमकुमार सुमन ने इतना कहा कि, 20 अगस्त तक 50 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण करने की कोशिश की जाएगी।

कार्य से ज्यादा कमीशन पर ध्यान नतीजन पंचायत के विकास कार्य राम भरोसे

सूत्रों के अनुसार सीएमओ सुमन ने यह भी कहा कि, प्रतिदिन चार से पांच शिकायतों का निराकरण होता है, जबकि नपा में औसतन हर दिन 12 से 13 शिकायतें आती हैं। इसी तरह समीक्षा में भानपुरा में भी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें अधिक मिलने पर नगर परिषद सीएमओ गोविंद पोरवाल पर भी सीओ नाराज हुए।

सूत्रों के अनुसार इस दौरान जिला पंचायत सिओ कुमार सत्यम ने कहा कि, जनता की शिकायतों से आपको कोई फर्क नहीं पड़ता है क्या? बैठक में सीओ द्वारा नगर पालिका सीएमओ मंदसौर प्रेमकुमार सुमन एवं भानपुरा सीएमओ गोविंद पोरवाल को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तुरंत समाधान करें। ट्रेजरी आफिसर को निर्देश दिए गए कि, नगर पालिका सीएमओ मंदसौर एवं नगर परिषद सीएमओ भानपुरा का इस माह का वेतन आहरण न किया जाए, जब तक कि इनके द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समाधान न हो जाए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि, जो विभाग सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समाधान नहीं करेगा। उनका प्रस्ताव कमिश्नर को भेजा जाएगा, जिससे आगे कार्रवाई की जा सके। बैठक के दौरान सभी जिला अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बता दें कि, माही की गूंज द्वारा भानपुरा सीएमओ गोविंद पोरवाल क्या अनियमितता को लेकर एक खबर प्रकाशित की गई थी जिसके अंदर सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायतो के निराकरण नही होने को लेकर भी समाचार प्रकाशित किया गया था।

हिमालयेश्वर धाम में भक्तों का लगा रहता है तांता

माही की गूंज, शाजापुर।

मोरटा केवड़ी के हिमालयस्वर धाम में विगत 26 वर्षों से बाबा की शाही सवारी 5 किलोमीटर का मार्ग तय कर ग्राम के प्रमुख मार्गो से निकाली जाती है, सवारी में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहते हैं। महाआरती के बाद आस-पास के क्षेत्रवासियों के द्वारा के रूप में प्रसादी के रूप में भंडारा किया जाता है।

जिले के पोलाय कला के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोरटा केवड़ी में अति प्राचीन पांडव कालीन हिमालयस्वर महादेव का मंदिर स्थित है। स्कंध पुराण में ऐसा वर्णन आया है कि, पांडवों ने अज्ञातवास के समय रात्रि विश्राम ब्रह्म मुहूर्त में हिमालय स्वर महादेव के शिवलिंग की स्थापना की थी। बताया जाता है कि, भगवान का शिवलिंग हजारों वर्षों से ही ऐसे ही भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते आ रहे हैं। बाबा रामदास जी की तपस्या स्थली इसे ही कहा जाता है, वहीं आस-पास की भूमि क्षेत्र के लिए श्रद्धा व आस्था का केंद्र बनी हुई है। जबकि ग्रामीण सहयोग से प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विशाल मेले में सावन मास के अंतिम सोमवार को भव्य शाही सवारी निकाली जाती है। शिवलिंग के समीप एक कवडे का पेड भी है कई वर्षों से यथावत की स्थिति में है। साथ ही पास में एक जलकुंड भी है जिसके बारे में ग्रामीणों ने बताया कि, एक बार यज्ञ के समय घी की कमी हो गई थी, तभी वहां उपस्थित तपस्वी संत रामदास जी महाराज ने भक्तों को कहा, युक्त कुंड में से पानी लेकर आ जाओ जो घी का काम करेगा, ऐसा ही भक्तों के द्वारा किया गया। मंदिर के आस-पास मौजूद मोर भी नृत्य दिखाते, झूला झूलते बच्चे और भक्तों का मंदिर में आना मन को अद्भुत और अविश्वसनीय शांति का आभास दिलाते है।

श्यामसिंह और संतोष राय प्रोडक्शन रिमांड पर पुलिस पुछताछ जारी

माही की गूंज, मंदसौर।

नकली शराब बनाने की सामग्री सप्लाय करने वाले श्यामसिंह से कोतवाली पुलिस ने पूछताछ की। कोतवाली के रामनगर चौकी पुलिस की एक टीम मंदसौर पहुंची थी। मंदसौर से श्यामसिंह और संतोष राय को इंदौर से प्रोडक्शन रिमांड पर लेने के लिए पुलिस ने कोर्ट प्रकिया पूरी की।

जिले में जहरीली नकली शराब पीने से लोगों की मौत के तार इंदौर और मंदसौर से जुड़े हुए हैं। मंदसौर पुलिस ने इंदौर निवासी श्यामसिंह पिता नारायण सिंह राठौर को रिमांड पर ले रखा था। उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए खंडवा कोतवाली थाने के रामनगर चौकी से पुलिस की एक टीम मंदसौर पहुंच गई। यहां मंदसौर थाने में श्याम सिंह पूछताछ की गई है। इसके साथ ही उसे रिमांड पर लेने से की जाने वाले प्रोडक्टशन वारंट की प्रक्रिया को भी पूरा किया गया। इस कार्य में पुलिस को दिनभर का समय लगा। इधर कोतवाली पुलिस की दूसरी टीम इंदौर पहुंची। इंदौर पुलिस ने संतोष राय को रिमांड पर ले रखा था, उसका भी रिमांड खत्म हो गया। पुलिस ने उसे भी प्रोडक्शन वारंट पर लेने के लिए कागजी कार्रवाई पूरी की।

बताया जा रहा है कि, श्यामसिंह से नर्मदानगर क्षेत्र में नकली शराब बनाने वाले के बारे में पूछताछ की जाएगी। विदित हो कि, शराब माफिया कालका से पुलिस को नर्मदानगर क्षेत्र में नकली शराब बनाए जाने की जानकारी मिली थी।

मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि, नकली शराब के मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की जा रही है। श्यामसिंह और संतोष राय को रिमांड पर लिया जा रहा है। ताकि उनसे जिले में जुड़े अवैध शराब कारोबारियों के बारे में पता चल सके।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शाजापुर।

कालापीपल तहसील के ग्राम पार्वती में हुई 16 अगस्त को हुई हिंसक घटना जिसमें भगवान शिव की पालकी पर धर्म विरोधी मानसिकता के लोगों द्वारा पथराव किया गया व धारदार हथियारों से पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओ पर हमला किया गया। कालापीपल पुलिस प्रशासन द्वारा सामान्य धाराओं में लोगों पर कार्रवाई की थी। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने जिला प्रशासन व पुलिस के खिलाफनारेबाजी करते हुए प्रभारी मंत्री बृजेंद्र प्रताप यादव को ज्ञापन सौंपा और अपराधियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की मांग की। आरोपियों पर 295 (क), (ख) और 307 में कार्रवाई की मांग की गई। जिस पर प्रभारी मंत्री ने तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन दिया व प्रभारी मंत्री द्वारा तत्काल रुप से दोषियों पर कार्रवाई करवाई गई।

मध्यप्रदेश कर्मचारी संघ ने दिया ज्ञापन

माही की गूंज, राजगढ़/पचोर।

ब्यावरा नगरपालिका कर्मचारी संजय सिंह जाट को आत्महत्या करने के लिए उकसाने वाले व्यक्तियों के खिलाफएफआईआर व तत्काल गिरफ्तारी को लेकर पचोर तहसीलदार एआर चिरामन को कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक राजगढ़ के नाम पचोर थाना प्रभारी डीपी लोहिया को ज्ञापन दिया गया।

जानकारी अनुसार, नगर पालिका ब्यावरा में पदस्थ सहायक ग्रेड 3 संजय सिंह जाट द्वारा 14 अगस्त को की गई। आत्महत्या में लिप्त व्यक्तियों जिनके द्वारा संजय सिंह जाट को आत्महत्या करने के लिए बाध्य किया, अनुसंधान कर लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने एवं तत्काल गिरफ्तारी करने हेतु ज्ञापन दिया गया।

अधिकारी पचोर के कर्मचारी संघ का कहना है कि, लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध यदि अति शीघ्र कार्रवाई नहीं की जाती है, तो जिले के समस्त निकाय कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश प्रांतीय महामंत्री कर्मचारी संघ सीएमओ पवन मिश्रा, जिला महामंत्री दुर्गेश शर्मा, राजकुमार अहिरवार, देवेंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, कृष्णवल्लभ गुमास्ता, विजय वैष्णव, मांगीलाल जादम, जाकिर, रजनीश तिवारी, आकाश नामदेव, बबलू गोस्वामी, गिरीश सक्सेना, मांगीलाल गुर्जर, रामचन्द्र दरोगा, मुकेश राजपूत, रामावतार गुर्जर, नीरज यादव, मुकेश राठौर आदि उपस्थित थे।

हिस्ट्रीशीटर की पुलिस कस्टडी में हुई मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

माही की गूंज, मल्हारगढ़ (मंदसौर)।

विकास खण्ड के ग्राम बरखेड़ा पंथ में अपनी ससुराल में रह रहे राजस्थान के एक हिस्ट्रीशीटर मिट्ठूलाल बावरी को लूट के मामले में लेने राजस्थान के छोटी सादड़ी थाने की पुलिस आई थी। मंगलवार को गांव में पुलिस पहुंचे तो वह तेज बुखार से पीड़ित था। इस पर पुलिस उसे व पत्नी को पहले मल्हारगढ़ अस्पताल व बाद में जिला अस्पताल भी ले गई। जहां मंगलवार रात में उसकी मौत हो गई। अब परिजन पुलिस पर मारपीट का आरोप लगा रहे हैं। वहीं छोटी सादड़ी व मल्हारगढ़ पुलिस का कहना है कि, आरोपित को थाने नहीं ले गए थे, तो मारपीट का सवाल ही नहीं उठता है।

जानकारी अनुसार राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के छोटी सादड़ी थाने से पुलिसकर्मी मल्हारगढ़ थाने के ग्राम बरखेड़ा पंथ में मिट्ठूलाल बावरी को लेने आए थे। मिट्ठूलाल छोटी सादड़ी थाने के ग्राम नारायणी का निवासी है। कुछ दिनों से वह अपने ससुराल बरखेड़ा पंथ में ही रह रहा था। छोटी सादडी थाना क्षेत्र में हुई एक लूट में मामले में पुलिसकर्मी शंका के आधार पर पूछताछ के लिए उसे लेने आए थे। मंगलवार को बरखेड़ा पंथ में पुलिसकर्मी घर पहुंचे तो वह बीमार था, पुलिस उसकी पत्नी सुमित्रा के साथ अस्पताल ले गई थी। मल्हारगढ़ अस्पताल में मिट्ठूलाल को भर्ती कराया गया। बुखार ज्यादा होने पर डॉ. जितेंद पाटीदार ने मंदसौर जिला अस्पताल में रेफर किया। लेकिन रात लगभग साढ़े 7 बजे उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी सुमित्रादेवी ने कहा कि, उसके पति को पुलिस ले गई थी उसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया व मंदसौर रेफर किया।

मामले में मल्हारगढ़ टीआई नरेंद्र कुमार यादव का कहना है, राजस्थान के छोटी सादड़ी थाने के पुलिसकर्मी बरखेड़ा पंथ के मिट्ठूलाल बावरी को लेने आए थे। उसकी तबीयत खराब होने के कारण पुलिसकर्मी उसे सीधे अस्पताल ले गए। मृतक की पत्नी भी साथ थी। मिट्ठूलाल को थाने में नहीं लाया गया था उसके साथ कोई मारपीट नहीं की गई।

वहीं एएसआई असरार पठान थाना छोटीसादड़ी (राज.) का कहना है, हमारे थाना क्षेत्र में छह माह पूर्व सांगीखेड़ा गांव में महाराज के साथ लूट हुई थी, शंका के आधार पर मिट्ठूलाल से पूछताछ करना थी। हम उसके घर गए तो बीमार था। हमारे साथ मल्हारगढ़ थाने के प्रधान आरक्षक भी थे। हमने 100 डायल को बुलाकर मिट्ठूलाल व उसकी पत्नी को मल्हारगढ़ अस्पताल लेकर आए। उसका बुखार सिर में चढ़ गया था तेज बुखार होने पर डॉ. पाटीदार ने मंदसौर रेफर किया था। अब सूचना मिली है कि, उसकी मौत हो गई। हम उसे थाने लाए ही नहीं। कोई मारपीट भी नहीं की। मृतक मिट्ठूलाल बावरी पर छोटी सादड़ी थाना क्षेत्र में लूट, डकैती सहित 21 मामले दर्ज है। वह थाने का हिस्ट्रीशीटर था।

पांच दिन में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग के निर्माण का लिया संकल्प

माही की गूंज, शुजालपुर।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण के प्रथम दिन ग्राम मितेरा के आस-पास कलश यात्रा निकालकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण प्रारंभ किया गया। गुरु सागर शास्त्री का कहना है, पार्थिव शिवलिंग के पूजन से जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं, शिव की अपार कृपा हमेशा बनी रहती है, अकाल मृत्यु का भय खत्म हो जाता है। इन्हीं सब को ध्यान में रखते हुए शुजालपुर तहसील के ग्राम मितेरा में समस्त मानव जनकल्याण के लिए गांव के लोगो द्वारा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया जा रहा है। जिसमें लगभग 5 दिन में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग के निर्माण संकल्प का किया गया। प्रत्येक दिन 25 हजार शिवलिंग निर्मित होंगे। जिसमें बुधवार को पहले दिन में धर्म प्रेमियों द्वारा 25 हजार शिवलिंग की पूजा कर गांव की समृद्धि वह देश कल्याण के लिए शिव महाकाल राजा से प्रार्थना की।

जिले में बढ़ता डेंगू का प्रकोप, प्रशासन की व्यवस्थाएं नाकाफी

माही की गूज, मंदसौर।

प्रदेश के कई जिलों में डेंगू के मामलों में तेजी से उछाल आ रहा है। मालवाचंल के मंदसौर जिले में भी डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिले में अब तक डेंगू के 194 मरीज मिल चुके हैं।

48 घंटे में मिले 40 मरीज

जिले में 48 घंटों में 40 मरीज मिले हैं। जिनमें से 23 मामले बुधवार को 24 घंटों में आए हैं। मंदसौर में बढ़ते डेंगू के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी का कहना है, जिले में डेंगू की रोकथाम के लिए पर्याप्त इंतजाम जा रहे हैं। लेकिन यह इंतजाम नाकाफी शामिल हो रहे हैं क्योंकि लगातार बढ़ते डेंगू के मामले सरकारी दावों की पोल खोलते दिखाई दे रहे हैं।

मंदसौर के लोगों का आरोप है कि, शहर के कई इलाकों में अब तक न तो नियमित फागिंग की जा रही है न ही दवा का छिड़काव किया जा रहा है। जिससे शहर में डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। बता दें कि, लगातार बारिश के चलते शहर में जगह-जगह पानी भी जमा है, जिससे डेंगू का लार्वा पनप रहा है।

अब तक मिले 194 मरीज

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी केएल राठौर ने बताया कि, जिले में बुधवार तक 194 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं, डेंगू की रोकथाम के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं, अभी तक मिले सभी बीमार मरीजों की हालत खतरे से बाहर है। उम्मीदें जल्द ही इस पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा।

लोगों को दिए सुरक्षा बरतने के निर्देश

प्रशासन ने डेंगू की रोकथाम के लिए एडवाइजरी जारी की है। प्रभावित इलाकों में घरों में खुले पात्रों में रखे पानी व कूलर को खाली करवाया जा रहा है, जिससे डेंगू का लार्वा न पनप सके। लेकिन इन सब प्रशासनिक दावों के बीच खासकर के सीतामऊ में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जो की बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

लोगों से पूरी बाहों के कपड़े पहनने, खुले में पानी स्टोर करके न रखने और मॉस्किटो मेंट मच्छरदानी समेत मच्छरों से बचने के अन्य संसाधनों का उपयोग करने की अपील की गई है। गौरतलब है कि, अधिकारियों के सख्त निर्देश के बावजूद मामलों में बढ़ोतरी की रफ्तार कम नहीं हो रही है। कुछ संक्रमित इलाकों में दवा का छिड़काव और फॉगिंग नियमित रूप से नहीं हो रही है, जो आने वाले समय में घातक साबित हो सकती है।

जिले की भानपुरा तहसील में भी 5 डेंगू के मरीज मिले जो झालावाड़ एडमिट है। कहने को तो सरकारी आंकड़ा जीरो है मगर भानपुरा का आंकड़ा लगभग 5 के करीब पहुंच चुका है। इसमें से अधिकांश मरीज वार्ड नंबर 2 पंजाबी कॉलोनी के है।

पंजाबी कॉलोनी निवासी अंकित वाधवा द्वारा बताया गया कि, इस संबंध में मेरे द्वारा नगर पंचायत में शिकायत भी की गई व स्वास्थ्य विभाग में भी इस संबंध में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम आई जरूर थी, मगर किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। न ही नगर परिषद द्वारा किसी प्रकार का कोई कीटनाशक छिड़काव किया गया। बता दें कि, जिले में बढ़ रहे डेंगू के प्रकोप को लेकर माही की गूंज के द्वारा खबर लगा कर नगर में फैली गंदगी व डेंगू के प्रकोप के लिए प्रशासन को अवगत कराया गया था। मगर प्रशासन द्वारा सुध नहीं ली गई, जिसके परिणाम स्वरूप आज नगर में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग की बात की जाए तो स्वास्थ विभाग बीएमओ बीएल सिसोदिया की कार्यप्रणाली नगरवासी कोरोना काल में देख भी चुके हैं और उसका खामियाजा भुगत भी चुके है। वही मुख्य नगर परिषद अधिकारी गोविंद पोरवाल की बात करें, तो उनका ध्यान नगर की मूलभूत सुविधाओं पर न होते हुए कमीशन के प्रस्ताव पर ज्यादा ही नजर आता है।

जनसहयोग से 200 पौधों को लगाया गया

माही की गूंज, झाबुआ। ग्राम पारा में आज जनसहयोग के माध्यम से शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में 200 पौधों का रोपण किया गया। आमजन पौधों को लगाने के लिये स्वयं आगे आए। जिसमें शासकीय अधिकारियों के साथ आमजन भी उपस्थित थे। इस दौरान जिला योजना समिति के सदस्य सोमसिंह सोलंकी, तहसीलदार आशिष राठौर, सरपंच सज्जनसिंह अमलियार आम्बा, थाना प्रभारी रामसिंह चौहान, पूर्व सरपंच ओमकार सिंह डामोर, व्यापारी संघ अध्यक्ष राठौड़ आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

रावेरखेड़ी बनेगा सेनानायक का पर्यटन स्थल

माही की गूंज, खरगोन। प्रदेश में पर्यटन की सीमित संभावनाएं है। इसके लिए म.प्र. का पर्यटन विभाग लगातार ऐसे स्थलों को विकसित करने की दिशा में लगातार बढ़ रहा है। यहां न सिर्फ समतल स्थलों, पहाड़ियों या ऐतिहासिक स्थलों की भरमार है, बल्कि जल या नर्मदा किनारे भी ऐसे कई स्थल है। इसी स्थल में एक रावेरखेड़ी स्थित बाजीराव पेशवा का समाधि स्थल जो वर्षों से अपरिचित सा था। मगर अब पर्यटन विभाग ने इसको विकसित करने की रूपरेखा तय कर ली है। देश के मध्यकाल इतिहास के मराठा शासन के सबसे वीर और साहसी अजेय सेनानायक बाजीराव पेशवा की समाधि स्थल को अब अजेय सेनानायक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

इसके विकास के लिए म.प्र. शासन के पर्यटन विभाग द्वारा करीब 30 करोड़ रूपए की लागत से विकसित किया जाएगा। इसमें 28 फीट की स्टेच्यू, सैनिक स्कूल, नौकाविहार, इंटरवेंशन सेंटर और अन्य सौन्दर्यीकरण के कार्य शामिल है। बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रावेरखेड़ी के प्रस्तावित कार्यक्रम में इसकी घोषणा कर सकते हैं। संभावित कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी. और एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान लगातार दो दिन से कार्यक्रम स्थल की तैयारियों को लेकर समीक्षा कर रहे हैं। मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने कलेक्टर भवन के सभाकक्ष में कानून व्यवस्था को लेकर राजस्व अधिकारियों की बैठक ली।

उत्साह से मनेगा महात्मा गांधी नरेगा के मजदूरों का त्यौहार

माही की गूंज, खरगोन। महात्मा गांधी नरेगा के मजदूर उत्साह के साथ अपना रक्षाबंधन का त्यौहार मना सकेंगे। राज्य शासन द्वारा लगभग 30 लाख से अधिक मनरेगा मजदूरों को 785 करोड़ रूपए का रुका हुआ भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जारी किया गया है। यह राशि योजना अंतर्गत सृजित 4 करोड़ 6 लाख मानव दिवस के विरूद्ध जारी की गई है।

भारत सरकार द्वारा राज्य को 785 करोड़ की राशि जारी की गई थी। आने वाले त्यौहार के मद्देनजर तत्काल उक्त राशि मजदूरों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई है। मजदूरों को जारी की गई इस राशि के सत्यापन के लिए जिलों को मजदूरों की बैंक पासबुक अद्यतन करने हेतु निर्देशित किया गया है। मजदूरों को लंबित भुगतान की राशि प्राप्त होने से मनरेगा के कार्यों में श्रमिकों की संख्या को बढ़ाया जा सकेगा।

20 अगस्त को मोहर्रम का अवकाश

माही की गूंज, बड़वानी। राज्य शासन ने मोहर्रम के उपलक्ष्य में अब 20 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। पूर्व में यह अवकाश 19 अगस्त का घोषित था, जिसे संशोधित कर 20 अगस्त का कर दिया है।

सेंधवा में लगेगा रोजगार मेला, कम्पनियॉ करेगी साक्षात्कार के माध्यम से चयन

माही की गूंज, बड़वानी। बेरोजगार युवाओं को विभिन्न प्रायवेट कम्पनियों में रोजगार दिलवाने हेतु सेंधवा मण्डी प्रांगण में 20 अगस्त को प्रातः 11 से शाम 4 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है।

जिला रोजगार अधिकारी टीएस डूडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार, इस रोजगार मेले में शिरपुर की प्रियदर्शिनी सहकारी सूत, पीथमपुर की प्रतिभा सिन्टेक्स, सेधंवा की भारतीय जीवन बीमा निगम, जुलवानिया की एमीटेक्स इंजीनियरिंग सर्विसेस, सेंधवा की सत्यम स्पीनर्स, इन्दौर की नवशक्ति बायोक्राप केअर साइंस, इन्दौर की शिवशक्ति बायो फर्टीलाइजर्स, भोपाल की जय बायो एग्रोटेक, घटवा की मेकॉल सुता एग्रो इण्डिया, बड़वानी की एसआईएस पाटी, खरगोन की यशस्वी एकेडमी टेलेंट ऑफ मैनेजमेंट के पदाधिकारी साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन करेंगे।

डूडवे ने बताया कि, इस रोजगार मेले में युवा शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं उनकी छायाप्रतियॉ तथा जाति, रोजगार पंजीयन, आधार कार्ड के साथ-साथ स्वयं की 3 पासपोर्ट साइज की फोटोग्राफ्स के साथ भाग ले सकते है।

नकली सीमेंट फेक्ट्री पर छापा, नामी कंपनियों के नाम वाली 500 बोरी सीमेंट बरामद

ग्वालियर। जिला प्रशासन और बहोड़ापुर थाना पुलिस ने बदनापुरा शंकरपुर क्षेत्र के एक मकान पर छापा मारकर कार्रवाई करते हुए नकली सीमेंट बनाने वाली फैक्ट्री को पकड़ा है। पुलिस ने यहाँ से नामी कंपनियों के नाम की नकली सीमेंट भारी मात्रा में बरामद की है। पुलिस को मौके पर 500 बोरी सीमेंट मिली है।

जनकारी अनुसार, जिला प्रशासन को अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी के प्रतिनिधियों ने शिकायत की थी, कोई उनके नाम से नकली सीमेंट बनाकर बेच रहा है। कंपनी की शिकायत पर जिला प्रशासन की टीम ने कम्पनी प्रतिनिधियों और बहोड़ापुर थाना पुलिस को लेकर बदनापुरा में शंकरपुर स्टेडियम के पास संचालित नकली सीमेंट फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने जब वहां देखा तो उसकी आंखें फ्टी रह गई, उसे वहां भारी मात्रा में नकली सीमेंट का कारोबार संचालित होता मिला। टीम ने जब मकान पर चारों तरफनिगाह डाली तो उसे माइसेम, अल्ट्राटेक, अम्बुजा, बिरला अलग-अलग नाम से सीमेंट बनती दिखाई दी।

नकली सीमेंट फैक्ट्री संचालक विष्णु राठौर ने बताया कि, वो पुरानी सीमेंट गिट्टी के चूरे से बने खाका से नकली सीमेंट बनाता है। पुलिस ने मौके पर क्षेत्रीय एसडीएम प्रदीप तोमर को भी बुला लिया। पुलिस ने जब गिनती की तो वहां बिरला ब्रांड की 500 बोरियां रखी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने फैक्ट्री को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि, नकली सीमेंट फैक्ट्री संचालित करने वाला विष्णु राठौर लम्बे समय से सीमेंट कारोबार से जुड़ा है उसे लोग राठौर सीमेंट गोल पहाड़िया के नाम से जानते हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने होटलों का किया निरीक्षण, खाद्य सामग्री के लिए नमूने

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देश पर जिले में निरन्तर मिलावट से मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा होटलो, भोजनालयो का निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों का सेम्पल लेकर जॉच हेतु भेजा जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज अंचल से प्राप्त जानकारी अनुसार, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों ने बड़वानी शहर के राजघाट रोड़ पर संचालित होटल सत्कार एवं होटल आनन्द के किचन की स्वच्छता का निरीक्षण किया गया। साथ ही किचन, फ्रीजर व स्टोर रूम में आउट डेटेड खाद्य सामग्री की जांच की। इस दौरान होटल सत्कार से भोजन बनाने में उपयोग लाई जाने वाली कच्ची सामग्री गेहूं आटा एवं होटल आनन्द से तुंवर दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी प्रकार अंजड़ नाका स्थित मामा जी का ढाबा से सोयाबीन तेल एवं बायपास स्थित सुगंधी ढाबा से गेहूं आटा के नमूना जांच हेतु लेकर भोपाल परीक्षण हेतु भेजे गये है। वहॉ से प्राप्त होने वाली रिपोर्ट अनुसार अन्य कार्रवाढ़ बाद में की जाएगी। उन्होने बताया कि, निरीक्षण के दौरान होटल आनन्द व मामा जी के ढाबा में किचन कि सफाई न होने और खाद्य सामग्री खुले में पाए जाने पर उनको चेतावनी दी गई है। यदि उक्त कमियों को दूर नहीं किया गया तो संबंधित दुकानो के लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन निलंबित किये जाने की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग का अमला आगमी त्योहार के मद्देनजर जिले में विक्रय हो रही खाद्य सामग्री एवं बाहार से आने वाली खाद्य सामग्री पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

जन साहस संस्था ने सामजिक वकील कार्यशाला का किया आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

जन साहस संस्था के द्वारा चलाए जा रहे बाल संरक्षण अभियान द्वारा 3 दिवसीय सामाजिक वकील क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखण्डों के ग्रांमो के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उददेश्य हर गांव हिंसा मुक्त हो, ओर जिन गांवो में अगर ऐसी कुछ लैंगिक हिंसा होती है तो वह पीड़ित परिवार को शासन प्रशासन से जोड़ कर उस परिवार को न्याय दिला सके।

उक्त कार्यशाला में प्रथम दिन पुलिस विभाग से बाल कल्याण अधिकारी पंकज दसोधी ओर कोतवाली थाना से जानी चारेल ने उपस्थित होकर बच्चो के साथ पॉक्सो एक्ट या ओर कोई केस दर्ज होता है तो क्या कार्रवाई होती है के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही बताया कि, जिले के सभी थानों में बाल कल्याण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनके पास भी आकर कोई भी बच्चा अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकता है।

कार्यक्रम के अन्य दिवसो में मुख्य न्याय मजिस्ट्रेट बड़वानी श्रीमती सारिका गिरी ने प्रतिभागियो को पाक्सो एक्ट, जेजेबी से सुश्री जया शर्मा ने सामाजिक वकील की क्या भूमिका है, इस बारे में, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सचिन दुबे ने बाल कल्याण समिति के कार्यो के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान आनन्द सोनी, चाईल्ड लाईन से श्रीमती ललिता गुर्जर ने भी कार्यकर्ताओ को जानकारी दी।

जन साहस संस्था के राज्य समन्वयक ने संस्था की जानकारी दी। वहीं कार्यशाला में उपस्थित सभी सामाजिक वकीलों को प्रमाण-पत्र दिए गए। संस्था के जिला समन्वयक रविन्द्र खांडेकर ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथि एवं सामाजिक वकीलों का आभार व्यक्त किया।

आशाग्राम की पहाड़ी पर लगे 30 हजार से अधिक पौधों पर हुई वर्षा

माही की गूंज, बड़वानी।

अंकुर अभियान के तहत आशाग्राम की पहाड़ी पर हुए 30 हजार से अधिक पौधारोपण पर वर्षा का दौर प्रारंभ हो गया। जिसके कारण श्रमदान से लगे इन पौधो की रंगत निखर आई है। अमृत रूपी इस वर्षा से अपने हाथो से लगाए पौधो की रंगत को देखने हेतु बड़ी संख्या में बच्चे, बड़े एवं वरिष्ठजनों का आशाग्राम की पहाड़ी पर पहुंचने का दौर सतत प्रारंभ है। इस दौरान जहॉ स्वयं सेवक दुगने उत्साह से श्रमदान कर पहाड़ी की छटा को और रमणीय बनाने में जुटे हुए है, वहीं बच्चो की टोली भी सामुहिक रूप से ओपन स्टेज पर बैठकर घर से लाए हुए खाने का आनंद एवं उनको छूकर जाने वाले पानी से भरे बादलो से रोमांचित हो रहे है।

ज्ञातव्य है कि, बड़वानी शहर के मध्य आशाग्राम की विशाल पहाड़ी पर 55 फिट उंचे पंचमुखी हनुमान जी की विशाल प्रतिमा पूर्व से सुशोभित है। जिला प्रशासन ने जनसहयोग से इस पहाड़ी को पर्यावरणी पाठशाला के रूप में स्थापित करने हेतु जहॉ विभिन्न प्रजातियों के 30 हजार से अधिक पौधो का रोपण करवाया है। वहीं पहाड़ी को पर्यटको की दृष्टि से और रमणीय बनाने के लिए फूलो की घाटी के साथ-साथ 25 फिट उचे आदियोगी की प्रतिमा, प्रकृतिक गुफा को गोवर्धन पर्वत के स्वरूप में बनवाने का कार्य प्रारंभ करवाया है। जबकि सनसेट एवं सनराईज को देखने हेतु दो आकृर्षक हट भी बनवाई है, वहीं बच्चो के प्ले झोन एवं युवाओं के लिये ओपन जिम की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जा रही है। स्वास्थ्य प्रेमियों के लिये दो पाथवे का निर्माण भी करवाया गया है।

राज्यसभा सांसद डॉ. सोलंकी जम्मू कश्मीर के विभिन्न अंचलों के दौरे पर

माही की गूंज, बड़वानी।

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी 18 अगस्त से 8 सितम्बर तक शहरी विकास समिति के सदस्य एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय मोर्चा शोध प्रभारी के रूप में जम्मू और कश्मीर राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के दौरे पर है। डॉ. सोलंकी श्रीनगर में आवास और शहरी तथा वित्त विभाग के शहरी मामलों के काम-काज की समीक्षा तथा श्रीनगर एवं पहलगाम स्मार्ट सिटी, अमृत, एसबीएम (यु) परियोजनाओं का फील्ड विजिट करेंगे। वे शहरी समस्याओं और ढांचागत मुद्दों के संबंध में बारामुला और गुलमर्ग के नगर पालिका अधिकारियों के साथ अनौपचारिक चर्चा करेंगे। लेह-लद्दाख में आवास और शहरी तथा वित्त विभाग के शहरी मामलों के काम-काज की समीक्षा बैठक में उपस्थित रहेंगे। इसी कड़ी में वे कई स्थानीय कार्यक्रमों में भी सहभागिता करेंगे।

डॉ. सोलंकी भाजपा अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय मोर्चा शोध प्रभारी के रूप में अजा, अजजा कर्मचारी कल्याण संघ, सीमा सड़क संगठन स्टॉफ के सदस्यों के साथ बैठक कर इस संगठन में अजा, अजजा के प्रतिनिधित्व के संबंध में चर्चा कर जानकारी प्राप्त करेंगे।

बाजीराव पेशवा (प्रथम) की समाधि पर हुआ जयंति समारोह का आयोजन

इन्दौर। इतिहास में अपराजेय योद्धा के रूप में स्थापित भारत माँ के वीर सपूत पेशवा बाजीराव प्रथम की जयंती के अवसर पर बुधवार को उनके समाधि स्थल रावेरखेड़ी में भावपूर्ण आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनकी समाधि स्थल में पहुँचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर खरगोन ज़िले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल, संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद खरगोन गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायकद्वय नारायण पटेल एवं सचिन बिरला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और श्रीमंत बाजीराव पेशवा प्रथम स्मृति प्रतिष्ठान के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कहा कि, आज इस पुण्य स्थली में आकर वे धन्य अनुभव कर रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार मेरा आना कठिन था, लेकिन वे खुद को आने से नहीं रोक सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि, स्वर्गीय श्री बाजपेयी जी ने कहा था कि यह देश हमारे लिए ज़मीन का टुकड़ा नहीं है अपितु यह माँ का जीवित स्वरूप है। भारत माँ ने अनेक वीरों को जन्म दिया है। बाजीराव पेशवा उन्हीं महान सपूतों में सिरमौर हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, भारत माता का अखंड स्वरूप हमारे लिए वन्दनीय हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्धत विभाजन विभीषिका दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें खंडित आज़ादी मिली थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाजीराव पेशवा के पराक्रम, वीरता और साहस के अनेकों प्रसंगों को दोहराया।

मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि, इतिहास के मध्यकाल में जब चारों तरफ़से भारत माँ को घेरने की कोशिश विदेशी आक्रांताओं द्वारा की जा रही थी, तब डेढ़ सौ सालों तक वीर मराठाओं ने भारत भूमि की अस्मिता बचाने का पराक्रम किया। वीर शिवाजी ने मुगलों के सामने कभी घुटने नहीं टेके। अटक से लेकर कटक तक हिन्दवी साम्राज्य का भगवा ध्वज मराठाओं ने फहराया था। श्री सिंधिया ने कहा कि, पेशवा का शब्द अंग्रेजों द्वारा बिगाड़ा गया, पेशवा का सही उच्चारण पेशवे होता है। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि रावेरखेड़ी में होने वाले सम्पूर्ण निर्माण में मराठा शिल्प का उपयोग किया जाए और मराठाओं की परंपरा के अनुरूप हर निर्माण का आधार काले पत्थरों से हो।

राष्ट्रीयता, मजबूत भारत के निर्माण की पहली जरूरत

नरेंद्र तिवारी

राष्ट्र आजादी की 75 वी वर्षगाठ मना रहा है, यह आजादी लम्बे संघर्ष और कुर्बानियों से प्राप्त हुई है। आजादी के मूल्यों को समझना बहुत जरूरी है। इन मूल्यों को राजनैतिक नफा-नुकसान के कारण दांव पर नही लगाया जा सकता। राष्ट्र के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावनाओं का होना अनिवार्य है। राष्ट्रीयता का यहीं भाव भारत को महाशक्ति बनने में मददगार साबित हो सकता है। राष्ट्रीयता का आशय किसी राष्ट्र के नागरिकों की भावना से होता है। यह भावना राष्ट्र का एक आवश्यक लक्षण है। इसके बिना राष्ट्र का नवनिर्माण सम्भव नहीं है। राष्ट्र के नागरिकों को धर्म-जाति, भाषा, खान-पान, मूल्य-मान्यताओं, क्षेत्रीयता आदि की विविधताओं के बावजूद एक दूसरे के प्रति परस्पर सम्मान का भाव रखना चाहिए।

अक्सर देशप्रेम और राष्ट्रीयता को जोड़कर देखा जाता है। किंतु इन दोनों भावों में गहरा अंतर है।देशप्रेम उस स्थान या भूमि से प्रेम करने को कहा जाता है। जहा पर जन्म लिया है। इसके इतर राष्ट्रीयता देश की समस्त मानवजाति, संस्कृति, भाषाओं, प्रतीकों, साहित्य, धर्मों, कानून और संविधान के प्रति आदर भाव को कहा जाता है। मसलन मुझे मेरी जन्म भूमि, धर्म, जाति, भाषा तो प्रिय है, किंतु राष्ट्र में प्रचलित अन्य धर्म, जाति, भाषा के प्रति आदर भाव मेरी राष्ट्रीयता है। देश के नागरिक समाज के मन मे राष्ट्रीय विविधताओं के प्रति आदर का भाव होना बेहद जरूरी है।

अंग्रेजों ने भारत की आजादी के साथ धार्मिकता के आधार पर भारत के विभाजन की रूपरेखा भी तय कर दी थी। 15 अगस्त को भारत की आजादी के पूर्व 14 अगस्त को पाकिस्तान का निर्माण कर दिया था। आजादी का सूरज विभाजन की कालिमा लेकर उदित हुआ था। विभाजन की इस प्रक्रिया में हुए कत्लेआम से देश जल रहा था। इस जलते हुए देश को एकता और अखंडता के मल्हम की आवश्यकता थी। आजाद भारत के शासकों ने विविधता में एकता की कोशिशों को बनाए रखा। विभाजन के रिसते घावों को भरने के भरपूर प्रयत्न किए। इन घावों को संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से भरा गया। देश धीरे-धीरे आजादी के मूल्यों को समझने लगा। संविधान के निर्माण की प्रक्रिया में धर्म निरपेक्षता के सिद्धांत को अपनाया गया। जिसका आशय राज्य के संचालन एवं नीति निर्धारण में धर्म का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए एवं सभी धर्मों के लोग कानून, संविधान एवं सरकारी नीतियों के सामने समान होगें। धर्म निरपेक्षता के इस सिद्धांत की कुछ कट्टरपंथियों द्वारा आलोचना भी की जाती रहीं है। किंतु आजादी के बाद उठाए कदमों की इतने वर्षों बाद समीक्षा, विवेचना या आलोचना करना कठिन होता है। अंग्रेजी हुकूमत की लंबी दासता से मुक्त हुए भारतीय जनमानस ओर उसके नेताओं की स्थितियों की अब समीक्षा की जाना न सिर्फव्यर्थ है,अपितु ऐसा करना उनकी कुर्बानियों को कमतर आंकने का प्रयास भर माना जा सकता है।

बहरहाल हम एक आजाद देश के रूप में 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रहें है। इन वर्षों में देश ने विकास तरक्की ओर प्रगति के नवीन आयामों को तय किया। तेजी से आधुनिक होता भारत उन्मुक्त विचारों के सोशल मिडियाकाल में विचरण कर रहा है। जो धर्म-जाति, क्षेत्रीयता, खान-पान, भाषा के दायरे में अब भी सिमटा ओर घिरा हुआ नजर आ रहा है। अपनी जातिगत और धार्मिक श्रेष्ठता की खोल में बैठे कट्टरपंथी इससे बाहर निकलने बाहर ही नहीं निकलना चाहते है। अल्पसख्यंक बहुसंख्यक दोनों में ही इस प्रकार के कट्टरपंथी शामिल है। सोशल मीडिया के इस दौर में हम अधिक अव्यवहारिक ओर असामाजिक हो गए है। यह दौर वैचारिक दिवालियेपन का प्रतीक दिखाई दे रहा है। वाट्सपिया ओर फेसबुकिया दुनियाँ में झांकने पर हम पाते है कि विभाजनकारी विचारों की बाढ़ सी आ गयी है। असामाजिक ओर धार्मिक उन्माद की यह तस्वीर बेहद खतरनाक है। उन्मादी तत्व भी इसके गम्भीर परिणामों से अनभिज्ञ है। यह उन्मादी विचार देश की नवीन पीढ़ी के दिमागों में धार्मिक कट्टरता का बीज बो रहें है। धार्मिक उन्मादियों का अपने राजनैतिक स्वार्थो के चलते उक्त कृत्य को अंजाम देना भारत की अनेकता में एकता की विशेषता एवं संविधान के धर्म निरपेक्ष सिद्धान्तों के विपरीत है।

राजनैतिक लाभ-हानि के लिए देश के मूलभूत सिद्धान्तों से छेड़छाड़ की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती है। संविधान में उल्लेखित यह सिद्धांत देश की ताकत है। आजादी के आंदोलन में भारत की एकता ही सबसे बड़ी ताकत थी। हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी ने मिलकर इस मुल्क की आजादी में अपना योगदान दिया है। देश में फैल रहें उन्मादी विचारों को कठोर नियंत्रण से रोकना होगा। महज नागरिक होना ही पर्याप्त नही है एक देश के निर्बाध विकास में नागरिकों में राष्ट्रीयता का होना जरूरी है।

अब सवाल यह है कि, देश के नागरिकों में राष्ट्रीयता के उच्च मूल्यों कैसे प्रतिस्थापित किये जाए। इसके लिए शिक्षा बहुत बड़ा माध्यम है। राष्ट्र की एकता अखंडता एवं संविधान के सिद्धांतों का पाठ शिक्षा में समाहित करें। आजादी के आंदोलन में सभी धर्म समुदायो राज्यों,भाषाओं की भागीदारी के प्रचलित इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। सबसे जरूरी सोशल मीडिया पर जारी अनसोशल अभियान पर सख्त होकर इस प्लेट फार्म का उपयोग सामाजिक एकता के प्रयासों को बढाने के लिए किया जाए। संकीर्ण विचारों से महान उदेश्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। संकीर्णता देश की प्रगति में बाधक है। जबकि राष्ट्रीयता मजबूत भारत के निर्माण की पहली जरूरत है।

शिक्षकों के थोकबंद स्थानांतरण को लेकर विधायक पटेल ने जताया विरोध

मुख्यमंत्री, प्रभारीमंत्री और आदिम जाति कल्याण मंत्री को लिखा पत्र

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में शिक्षक संवर्ग में जिला प्रशासन द्वारा लालफीताशाही और मनमानी करते हुए शिक्षक संवर्गो के थोकबंद तबादले करने को मामले को लेकर विधायक मुकेश पटेल ने मुखर होते हुए कडा विरोध दर्ज करवाया है। मनमानी पूर्वक जारी इन स्थानान्तरण आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग को लेकर विधायक पटेल ने मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री और आदिम जाति कल्याण मंत्री को पत्र लिखा है और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भी पत्र भेजकर मामले से अवगत करवाया है।

बगैर ठोस कारण के कर दिए गए स्थानान्तरण

विधायक पटेल द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया कि, स्थानांतरण नीति 2021-22 के अनुसार तीन वर्ष से अधिक एक ही स्थान पर पदस्थ कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जाए। लेकिन जिले में ऐसे कर्मचारी जिनका पूर्व में स्थानांतरण होकर पदस्थ हुए उन कर्मचारियों का पुनः तीन वर्ष पूर्ण हुए बिना ही बगैर ठोस कारण के स्थानांतरण कर दिया गया है। जबकि कोविड-19 के कारण सभी शैक्षणिक संस्थाए बंद होने के बाद भी स्थानांतरण किया जाना अनुचित है।

पति-पत्नि के स्थानान्तरण में भी नियमों को किया अनदेखा

स्थानांतरण नीति के अनुसार पति-पत्नि यदि अलग-अलग जगहो पर सेवारत है तो उन्हें एक ही जिला व विकासखण्ड मुख्यालय पर स्थानांतरण करने के निर्देश है। लेकिन वर्तमान में जिला प्रशासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश में ऐसे कर्मचारी जो पति-पत्नि एक ही विकास खण्ड मुख्यालय पर साथ में रह कर शासकीय सेवा दे रहे थे, उन्हें भी लगभग 70-80 किमी की दूरी पर बिना किसी कारण के स्थानांतिरत कर दिया गया। कई कर्मचारियों के छोटे-छोटे बच्चे एवं उनके माता-पिता वृद्धावस्था में होने से उनकी देख-भाल और पालन-पोषण की भी जिम्मेदारी निभा रहे है। ऐसी स्थिति में वे अपने बच्चों और परिवार के वृद्धजनो की देख-रेख कैसे कर पाएंगे।

जिन शिक्षको का स्थानांतरण किया गया है। उन शिक्षको द्वारा कोरोना वायरस की पहली व दूसरी चरण की महामारी में अपने परिवार की चिंता किए बिना कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए दिन-रात कार्य किया गया। उक्त संक्रमण की रोकथाम में कुछ कर्मचारियों की मृत्यु भी हो गई।

जिले के शिक्षक कर्मचारियों को वर्तमान सरकार द्वारा कोरोना में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित भी किया गया। सरकार द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद उन्हें बिना कारण के स्थानांतरण कर परेशान किया जा रहा है। सरकार कर्मचारियों को एक तरफ सम्मानित करती है और दूसरी तरफ अनावश्यक स्थानांतरण कर प्रताड़ित किया जा रहा है। ये अन्याय है।

वर्ग विशेष व समुदाय को किया गया टारगेट

जिले में जिला प्रशासन द्वारा वर्ग विशेष व समुदाय के 94 कर्मचारियों को ही टारगेट बनाकर राजनैतिक एवं सामाजिक द्वेषता के कारण प्रशासनिक तौर पर स्थानांतरण किया गया है और कई महिला शिक्षको को निवास स्थल से लगभग 50-60 किमी दूरी पर ऐसे स्थान पर स्थानांतरण किया गया ळे, जहॉ महिला अकेले आना-जाना नहीं कर सकती है। जबकि शासन के नियम अनुसार महिलाओं को ऐसे स्थान पर पदस्थ किया जना चाहिए जहॉ आने-जाने में असुविधा न हो। कई स्कूले शिक्षक विहिन होने की कगार पर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जिले में लगभग 400 से अधिक शालाएं शिक्षक विहिन होने के बाद भी शिक्षक संवर्ग एवं कर्मचारी लगन व ईमान्दारी से कार्य कर रहें है उन्हें द्वेष पूर्ण रवैये से स्थानांतरित किया गया है। जिससें कई स्कूलों में शिक्षा की व्यवस्था प्रभावित होगी एवं कई स्कूले शिक्षक विहिन होने की कगार पर है।

स्थानांतरण नीति अनुसार अतिशेष शिक्षको को ही एवं विशेष परिस्थितियों में ही स्थानांतरण किया जाना चाहिए था। आरटीई के तहत स्वीकृत पदो के अनुसार सभी स्कूलों में रिक्त पद होने के बाद भी शिक्षको का स्थानांतरण कर दिया गया है जो स्थानांतरण नीति के विपरित है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी नहीं छोडा

साथ ही चतुर्थ कर्मचारियों का भी स्थानारंतण किया गया है जो दुर्भावना पूर्वक है। कई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो मानदेय एवं मजदूरी दर पर कार्यरत है उन्हें भी शिक्षक संवर्ग के अनुरूप स्थानांतरण किया गया है। जबकि मानदेय एवं मजदूरी दर पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण नीति में कोई प्रावधान ही नहीं है। ऐसे कर्मचारियों का भी स्थानांतरण कर दिया गया है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुबह कार्यालय खोलने से लेकर दिनभर कार्य कर कार्यालय बंद करने के बाद भी सेवाए देते है ओर कम वेतन के कारण घर नहीं चला पाते है तो वह बाकी समय में निजी खेती बाड़ी से आय अर्जित कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। ऐसी स्थिति में इनका स्थानांतरण किया जाना अनुचित है।

विधायक पटेल ने कहा कि, जिले में लालफीता शाही पूर्ण तरीके से मनमानी पूर्वक प्रशासनिक तौर पर किए गए स्थानांतरण आदेश को तत्काल रद्द करने की कार्रवाई करे।

फाइबर केबल बिछाने हेतु सड़क किनारे खोदे गहरे गड्ढे से दुर्घटना की आशंका

माही की गूंज, आम्बुआ। असलम मकरानी

कस्बे के बाहर विगत दिनों मोबाइल टावरो तक फाइबर केबल बिछाने हेतु कंपनी द्वारा सड़क किनारे नालियां तथा गहरे गड्ढे खोदकर खुले छोड़ दिए जाने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। वहीं गड्ढे के आस-पास कोई संकेत चिन्ह भी नहीं रखे गए हैं।

आम्बुआ क्षेत्र में कई मोबाइल टावर बंद पड़े हैं तो कुछ नए लगे हैं, कुछ टावरों की फाइबर केबल बार-बार कट जाने के कारण खराब हो गई है। जिन्हें बदलने तथा नए टावर की फाइबर केबल बिछाने हेतु पाइप जमीन के अंदर बिछाने हेतु गहरी नालियां तथा गड्ढे खोदे जा रहे हैं, जिन्हें खुला छोड़ दिया जा रहा है। प्रमुख सड़क से 2-3 फीट दूर ऐसा ही लगभग 4-5 फीट गहरा एक गड्ढा श्री गणेश मिनरल फैक्ट्री के पास पिछले 2 सप्ताह पूर्व खोदा जाकर उसे खुला छोड़ दिया गया। जिसके आस-पास कोई सुरक्षा संबंधी संकेत चिन्ह भी नहीं लगाए गए हैं। पैदल चलने वाले तथा अन्य वाहन कभी भी इस गड्ढे में गिर जाने की आशंका बनी हुई है। इधर बरसात का मौसम होने के कारण इन खोदे गए गड्ढों तथा नालियों की मिट्टी से सड़क किनारे कीचड़ हो रही है, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है। कोई जवाबदार अधिकारी व कर्मचारी यहां मौजूद नहीं होने से शिकायत किसे की जाए यह समस्या भी बनी हुई है। गड्ढे के सामने स्थित दुकानों के दुकानदार बंटी गुप्ता, समरथमल गुप्ता, भरत कुमार एवं विशाल माहेश्वरी आदि ने गड्ढे को शीघ्र भरने की मांग की है, ताकि कोई जनहानि न हो।

प्रभारी मंत्री ने कोविड-19 टीकाकरण में भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समाजसेवियों का किया सम्मान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय खेल परिषर में मुख्य समारोह में प्रदेश मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, विधायक मुकेश पटेल, कलेक्टर सुरभि गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता चौहान एवं अन्य अतिथियों द्वारा कोविंड-19 टीकाकरण अभियान मे समाज स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुस्लिम समाज के प्रभारी शहर काजी सेय्यद हनीफ मियां, प्रसिद्ध शायर सिराज तन्हा, समाजसेवी मोहम्मद हुसैन पाक़ीज़ा का सम्मान कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

गोरतलब है कि, इस वर्ष मुस्लिम समाज ने टीकाकरण अभियान को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों मे टीकाकरण सेंटर स्थापित कर समाज सहित आमजनों को टीकाकरण करवाया था। इन सेंटरो पर समाजजनो की बड़ी संख्या मे बढ़-चढ़कर टीकाकरण करवाया था। इनके सम्मानित होने पर जिले के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न समाज के प्रबुद्धजनो सहित समाजजनो ने प्रशंसा कर सरहानीय कार्य और समाजसेवा के लिए शुभकामनाए दी है।

दस दिन तक पूजा के बाद 11 वें दिन माताजी को दी विदाई

माही की गूंज, परवलिया।

ग्राम में लगभग 6 से 7 जगह दशा माताजी की प्रतिमा को स्थापित किया गया था। 10 दिन तक पूजा अर्चना के बाद 11 वे दिन बुधवार को धूमधाम से माताजी की प्रतिमा का विसर्जन ग्राम के पास वाली नदी में किया गया। ग्राम में माताजी के इस दस दिवसीय कार्यक्रम से माहौल भक्तिमय व धर्ममय बना हुआ था।

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मिश्रा ने निर्देश दिए कि राजस्व के प्रकरणों का निराकरण, नामांतरण के प्रकरणों, अतिक्रमण के प्रकरणों, सीमांकन के प्रकरणों तथा न्यायालय के प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एलएन गर्ग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला ज्योति परस्ते, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर अनिल भाना, डिप्टी कलेक्टर डॉ. अभयसिंह खराड़ी, डिप्टी कलेक्टर सोहन कनाश, डिप्टी कलेक्टर अंकिता प्रजापति, तहसीलदार प्रवीण अहोरिया, तहसीलदार थांदला शक्तिसिंह चौहान, तहसीलदार पेटलावद जितेन्द्र अलावा, तहसीलदार रामा आशिष राठौड, तहसीलदार राणापुर रविन्द्र चौहान, तहसीलदार मेघनगर हर्षल बेहरानी, अधीक्षक भू-अभिलेख सुनिल राणा एवं समस्त नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

मंदिर से तहसीलदार उठा लाए भोलेनाथ का शिवलिंग, रास्ते को लेकर था विवाद

एसडीएम गेमावत ने मौके पर पहुँच कर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से रोका था, लोगों ने फिर बो दी फसल

रामदेव जी मन्दिर पर लाने के रास्ते का निरिक्षण करता प्रशासन।

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड के ग्राम निनामापाड़ा-रूपापाडा ग्राम पंचायत बोडाइता स्थिति रामदेव जी मन्दिर पर स्थापित शिवलिंग पर आने-जाने वाले रास्ते को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई जिसके बाद नायब तहसीलदार मौके से पहुंचकर बिना ग्रामीणो की जानकारी के शिवलिंग उठाकर ले गए।

मामला गत माह जुलाई का बताया जा रहा है। रामदेवजी मन्दिर पर आने-जाने का रास्ता जो शासकीय सर्वे नंबर 61 की भूमि में होकर जाता है। जिसे कुछ अतिक्रमणकर्ताओ ने भूमि पर कब्जा कर मन्दिर का रास्ता बंद कर दिया था। जिसकी शिकायत के बाद प्रशासन ने रास्ता की व्यवस्था की थी। लेकिन जगदीश पाटीदार और शोभाराम पाटीदार द्वारा मौके पर पुनः अतिक्रमण कर हकाई करवाई दी गई। ग्रामीणों के विरोध के बाद एसडीएम गेमावत ने मौके पर पहुंचकर शासकीय नंबर की भूमि पर निशानी कर किसी भी पक्ष को अतिक्रमण नही करने कहा गया था, लेकिन अतिक्रमणकार्ताओ ने एसडीएम के आदेश की धज्जियां उड़ाते फिर से अतिक्रमण कर लिया।

एसडीएम के आश्वासन के बाद भी नही दिया गया शिवलिंग

विवादित भूमि की नपती के बाद एसडीएम ने मौके से उठाए गए शिवलिंग को रामदेवजी मन्दिर परिसर या उसके आस-पास स्थापित करने को कहा गया था, जिसे मदिंर से जुड़े लोगों ने स्वीकार कर लिया। लेकिन अब तक शिवलिंग ग्रामीणों को नही दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि, शिवलिंग कहां है इसकी कोई भी जानकारी हमको नही दी जा रही है। उक्त मन्दिर वर्षो पुराना होकर यहां प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन होता है। पूर्व विधायक निर्मला भूरिया ओर विधायक वालसिंह मैडा द्वारा विधायक निधि से निर्माण और माइक सेट हेतु राशि भी उपलब्ध कराई गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि, मन्दिर और उसके आस-पास खाली पड़ी भूमि पर जगदीश पाटीदार और शोभाराम पाटीदार की नीयत खराब है और उसको कब्जा करने के नियत से राजस्व विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत कर शासकीय भूमि कर कब्जा कर मन्दिर पर आने-जाने का रास्ता बंद करवाया जा रहा है। भगवान की मूर्ति हटाने और शासकीय भूमि पर निजी लोगो द्वारा अतिक्रमण करने पर ग्रामीणों में रोष है, जो कभी भी बड़े विवाद को जन्म दे सकता है।

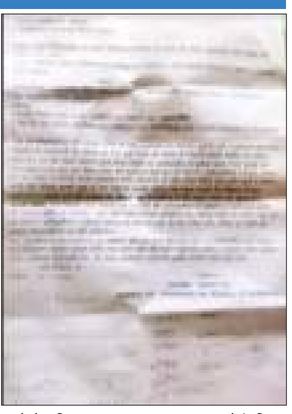

रास्ते से अतिक्रमण हटाकर रास्ता चालु करने के लिए ग्रामीणों ने एसडीएम को दिया आवेदन।

कोरोना गाइडलाइन के तहत ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया

माही की गूंज, आम्बुआ।

भारतीय स्वतंत्रता 75वीं वर्षगांठ इस बार कोरोना के कारण कोविड-19 गाईडलाइन के पालन के साथ मनाई गई। संवाददाता अनुसार पंचायत प्रांगण में इस बार बगैर सलामी गारद की सरपंच श्रीमती वर्षा जुवानसिंह रावत ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में पंचायत सचिव तथा कर्मचारियों के अलावा कोई भी उपस्थित नहीं रहा। स्वास्थ्य विभाग में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. जयदीप जमीदार, सहकारी संस्था में प्रबंधक बीएस भयडिया, दिलीप वाणी, थाना प्रांगण में थाना प्रभारी योगेंद्र सजोतिया, हाई सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य नरेंद्र भारद्वाज, पशु चिकित्सालय में डॉ. भामौर, मां पार्वती मेमोरियल स्कूल में श्रीमती दीपांशी गोविंदा माहेश्वरी, अंशुल विद्या मंदिर में श्रीमती अलका त्रिपाठी, पुलिस चौकी वड़ी में एसएसआई पांडेय एवं ग्राम पंचायत अडवाड़ा में सरपंच श्रीमती वेस्ती नारायण सिंह चौहान के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में सरपंचों ने ध्वजारोहण किया। इस बार पुनः वन विभाग में ध्वजारोहण नहीं किया गया। इसी के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थान टैलेंट पब्लिक स्कूल में भी ध्वजारोहण नहीं किया गया।

पशुपतिनाथ महादेव व शिव परिवार की हुई प्राण प्रतिष्ठा

माही की गूज, थांदला।

कलाजी नगर (फखरी कॉलोनी) में नवनिर्मित मंदिर पर पवित्र श्रावन मास में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में पशुपतिनाथ महादेव व शिव परिवार का प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। स्थानीय हनुमान अष्ट मंदिर (बावड़ी) से गाजे-बाजे के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। रथ पर साढ़े तीन फीट के अष्टमुखी शिवलिंग भगवान पशुपति नाथ की प्रतिमा के साथ श्री गणेश, माता पार्वती व ब्रह्मा, विष्णु, महेश की प्रतिमाएं विराजित की गई थी। बेंड-बाजो के साथ कन्याएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी तो महिलाएं व युवा वर्ग नाचते-गाते शिव के जयकारे लगाते चल रहे थे। सम्पूर्ण मार्ग पर शिव परिवार का फूलमालाओं से धर्मप्रेमियों ने स्वागत कर दर्शन लाभ लिया। शोभायात्रा के कलाजी नगर पहुंचने पर पंडितों द्वारा धार्मिक विधि-विधानों व मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर सम्पूर्ण शिव परिवार को जलाधिवास, अन्नाधिवास व शय्याधीवास करवाया गया। इस बीच धार्मिक विधान अनुसार यज्ञ सम्पन्न हुआ, साथ ही रात्रि में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार के शुभ दिन प्रातः 9 बजे से हवन शुरू किया गया, जिसमें 6 जोड़ो द्वारा आहुतियां प्रदान की जाकर शुभ मुहूर्त में मंदिर में प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जाकर महाआरती के बाद महाप्रसादी वितरण की गई।

क्यों कहा जाता पशुपतिनाथ

हिंदू धर्म में श्रावन मास का विशेष महत्व है। यह महीना भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं अनुसार, श्रावन के महीने में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने से भक्त की सभी मनोकामना पूरी होती हैं। भगवान शिव का यह अस्त्र मात्र ही कल्याणार्थ है, इसी कारण इसे 'शुभ वज्र' कहा गया है। मनुष्य के समान पशुओं के प्रति भी शिव के हृदय में अगाध वात्सल्य था, इस कारण उन्हें 'पशुपति' नाम मिला। इसलिए उन्हें पशुपतिनाथ भी कहा जाता है। पशु अर्थात जीव या प्राणी और पति का अर्थ है स्वामी और नाथ का अर्थ है मालिक या भगवान। इसका मतलब यह कि, संसार के समस्त जीवों के स्वामी या भगवान हैं पशुपतिनाथ। दूसरे अर्थों में पशुपतिनाथ का अर्थ है जीवन का मालिक। पशुपतिनाथ भगवान शिव का पर्यायवाची नाम है।

विश्व मे प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर

विश्व में दो पशुपतिनाथ मंदिर प्रसिद्ध हैं, एक नेपाल के काठमांडू और दूसरा भारत के मध्यप्रदेश के मंदसौर में स्थित है। दोनों ही मंदिर में समान आकृति वाली मुर्तियां स्थापित हैं। मंदसौर का मुख्य आकर्षण शिवना नदी के तट पर स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर है। जिसके पहले भाग 4 शीर्ष पर और दूसरा भाग 4 शीर्ष तल में। शीर्ष 4 सिर स्पष्ट, परिष्कृत और पूर्ण हैं तो 4 नीचे के सिर परिष्कृत नहीं हैं।

बारह ज्योर्तिलिंगों में पशुपतिनाथ नही

भगवान शि?व के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक ज्?योतिर्लिंग नेपाल के काठमांडू के हृदय में स्थित विश्वप्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर हिंदुओं का सबसे बड़ा शिव मंदिर है। हालांकि मान्यता प्राप्त बारह ज्योतिर्लिंगों में पशुपतिनाथ का नाम नहीं है फिर भी पशुपतिनाथ को दैदीप्यमान लिंग माना जाता है। पशुपतिनाथ को छोटे-बड़े मंदिर समूहों का महामंदिर कहा जा सकता है।

प्रशासन की कार्रवाई या सेंडिगेट के प्रभाव के साथ आजादनगर में नकली शराब फैक्ट्री मिलने के बाद मकान किया जमींदोज...

माही की गूंज, झाबुआ/अलीराजपुर। संजय भटेवरा

मंदसौर नकली शराब कांड के बाद प्रदेश में कई जगह एक के बाद एक नकली शराब की फैक्ट्री पकड़ने के साथ उनकी अचल संपत्तियों को भी ध्वस्त कर अपनी सख्त कार्रवाई का परिचय प्रशासन ने सरकार के निर्देशन में करने का प्रयास किया।

उक्त कार्रवाई से यह तो तय है कि लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले माफ़ियाओं में दहशत बनेगी और नतीजा नकली शराब बनाने वाले ऐसे छोटे-बड़े स्वार्थी तत्व नकली शराब बनाकर बेचने का व्यापार करने में एक बार नहीं दस बार सोचेगें। चल-अचल संपत्ति को ध्वस्त करने की कार्रवाई के पीछे प्रशासन भी इसी उद्देश्य के साथ कार्रवाई करती नजर आ रही है कि, माफिया राज ऐसी कार्रवाई के बाद खत्म होगा और भविष्य में शासन व प्रशासन पर कोई दाग नहीं लगेगा। उसी उद्देश्य के साथ चंद्रशेखर आजादनगर में भी नकली शराब बनाने वाला उत्पन्न हुआ नवीन बसेर के नाम का एक जीन, जिसमें पैसा कमाने का स्वार्थ उत्पन्न हुआ और नवीन बसेर नाम के इस जिन ने अवैध शराब विक्रय के साथ घर पर ही शराब बनाकर बेचने का विचार आया। स्थानीय संबंधित प्रशासन भी भली-भांति उक्त नवीन बसेर नाम के जिन के यहां अवैध शराब का कारोबार होता है भली-भांति से अवगत था। वरन् बताया जाता है कि, यह जीन संबंधित अधिकारी को स्थानीय स्तर पर मासिक बंदी भी देता था तथा उन्हीं के श्रेय व संरक्षण के साथ ही यह जीन पैदा हुआ। अपने मुनाफे को और बढ़ाने के लिए घर पर ही शराब बनाने का विचार कर अल्कोहल (स्प्रिट) के साथ शराब बनाने की सामग्री, नकली शराब बनाने वाले मास्टरमाइंड जीन मोहम्मद यानी श्याम राठौर इंदौरी से संपर्क हुआ और समस्त सामग्री घर पर आ गई। जिसके बाद मंदसौर घटना में श्याम राठौर के पकड़े जाने के बाद आजादनगर में भी नकली शराब का खुलासा हुआ। पुलिस ने नवीन बसेर के यहां से अल्कोहल (स्प्रिट) के 11 ड्रम के साथ शराब बनाने की समस्त सामग्री ज़ब्त के साथ कार्रवाई करते हुए मकान भी जमींदोज कर दिया। उक्त कार्रवाई अगर माफ़ियाओं को जड़मूल से खत्म करने के उद्देश के साथ की गई है, तो सराहनीय है...।

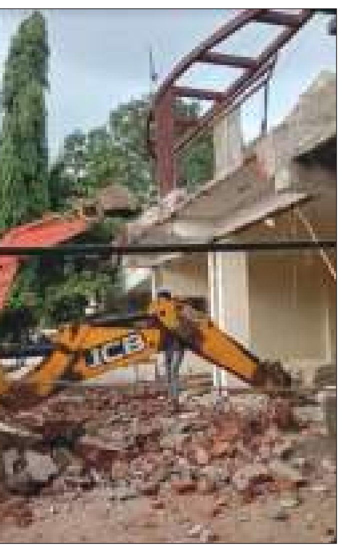

मकान जमींदोज की विधि सम्मत कार्रवाई तो फिर जिला प्रशासन को काहे का रहा डर

उक्त मामले में प्रशासनिक कार्रवाई की बात करें तो वह सराहनीय है। परंतु उक्त कार्रवाई विधि सम्मत की गई तो जिला प्रशासन को विधि सम्मत आदेश जारी कर मकान जमींदोज किया जाना था। जबकि जिला प्रशासन के मौखिक आदेश पर ही मकान जमींदोज करने की कार्रवाई की गई, जिसे विधि सम्मत कार्रवाई नही कहा जा सकता जो प्रशासनिक कमियों को भी स्पष्ट रूप से दर्शा रहा है।

जानकारी अनुसार नकली शराब फैक्ट्री की कार्रवाई के साथ ही नगर परिषद ने 3, 9 व 11 अगस्त को मकान निर्माण की अनुमति की जानकारी जिला प्रशासन के मौखिक निर्देशों के आधार पर नगर परिषद चंद्रशेखर आजादनगर ने समस्त दस्तावेजों के साथ जवाब मांगा। जानकारी अनुसार रजिस्टर्ड मकान मालिक एवं नवीन बसेर के परिवार ने नगर परिषद से निर्माण की मांगी गई परमिशन एवं परमिशन के दौरान नगर परिषद द्वारा शुल्क के रूप में जो रसीद काटी जाती है वह जवाब के साथ उपलब्ध कराई गई। लेकिन जिला प्रशासन को किसी भी स्थिति में मकान को जमींदोज करना ही था। नतीजन तलघर की परमिशन नहीं होती है, को आधार बनाकर जिला कलेक्टर के मौखिक आदेश का हवाला देकर पत्र क्रमांक 858/2021 पर नगर परिषद ने आदेश जारी कर 24 घंटे के अंदर मकान को खाली कर निकाय को सूचित करें। क्योंकि श्रीमान कलेक्टर महोदय जिला अलीराजपुर के मौखिक आदेश अनुसार उक्त मकान को डिस्टमेंटल किया जाना है के यह आदेश 13 अगस्त को जारी किए। वहीं 13 अगस्त को रात्रि करीब 8 बजे मकान मालिक के परिवार को उक्त सूचना तामिल करवाई और सुबह प्रशासनिक अमला जेसीबी एवं अन्य संसाधन लेकर पहुंचा और मकान को जमींदोज करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पूरे मामले में अगर जिला प्रशासन विधि सम्मत मकान ध्वस्त करने की कार्रवाई कर रहा था, तो सवाल यह उठता है कि, जिला प्रशासन ने मकान जमींदोज करने के लिए मौखिक आदेश के बजाय विधि सम्मत आदेश जारी क्यों नहीं किए....?

कहीं ऐसा तो नहीं जिला प्रशासन की उक्त सक्रियता महज अपना प्रभाव बताने या फिर शराब माफिया के सिंडिकेट के प्रभाव में आकर नवीन नाम जैसे जीन को हर तरीके से जमीदोज किए जाने पर ऐसी कार्रवाई की गई हो...?

जैसी चर्चाएं आजादनगर में जोरों पर चल रही है। वही यह भी चर्चा नगर में है कि, जिला प्रषासन एक भी दिन 13 अगस्त के बाद देता तो हो सकता था की उक्त मकान का स्टे-आर्डर 16 अगस्त को आ सकता है के डर के साथ उक्त सारी कार्रवाई त्वरित बिना किसी न्यायिक जवाब दे सके इतना भी मौका जिला प्रषासन ने उक्त मामले में नही दिया।

सम्मान से अभिभूत 'पेड़ मेन' एक कि.मी. दूर से उठा लाए बढ़ का दस फिट का पेड़, कहा सम्मान होने की याद में लगाया पेड़

पैर में गंभीर चोंट होने के बाद भी बद्री बा का जज़्बा देखने लायक

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

किसी भी मंच पर मिलने वाला सम्मान किसी भी व्यक्ति के लिए कितना प्रेरणा दायक हो सकता है, इसकी एक झकल पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम बरवेट में देखने को मिली। 70 बर्षीय बद्रीलाल पाटीदार (बद्री बा) जो कि एक पर्यावरण प्रेमी है और अपने जीवनकाल के 55 वर्ष पर्यावरण को सहेजने में लगा दिए। सेकड़ो पौधे रोपकर उनको पानी सिंचकर बड़े भी कई और आज वो वृक्ष बनकर लोगो को ऑक्सीजन दे रहे है। पर्यावरण के प्रति असीम प्रेम की उनकी कहानी भी मीडिया में लगातर छपती रही। प्रशासन द्वारा विशेष आयोजनों में होने वाले किसी भी क्षेत्र में सम्मान की बेला में गरीब बद्रीलाल पाटीदार का नाम नही होता है और कई ऐसे लोग सम्मान की बेला में शामिल होते है, जिन्होंने समाज को कुछ नही दिया और उनके रसूख व प्रशासन से जुड़ाव के कारण सम्मान लेते दिखाई देते है। वैसे बद्री बा का पर्यवरण के प्रति समर्पण किसी भी बड़े मंच पर सम्मान के लायक था लेकिन ऐसा नही हुआ। बद्री बा के कार्य की जानकारी पेटलावद एसडीएम को लगी तो 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर एसडीएम शिशिर गेमावत ने बद्री बा को सम्मानित किया।

किसी भी मिले सम्मान को मिलने के बाद उसे जीने का सबका अपना-अपना तरीका होता है और 'पेड़ मेन' बद्री बा ने इस अवसर को ऐसा यादगार बनाया कि हर कोई देखता ही रह गया। एसडीएम गेमावत द्वारा मिले सम्मान से अभिभूत बद्री बा ने इस पल को हमेशा के लिए जींवन्त करते हुए, 15 अगस्त को स्कूल ग्राउंड में एक ओर बड़ा सा बड का झाड़ लगभग एक किलोमीटर दूर से दस फिट का अपने सर पर उठाकर लाए ओर संस्था परिसर में रोपकर बाकि पेड़ो के साथ इस पेड़ की भी जिम्मेदारी अपने जीवत काल तक करने की ली। बद्री बा स्वयं उक्त झाड़ को बिना किसी की मदद के जड़ सहित उखाड़ कर अपने सिर पर लेकर आए और उनके इस कार्य को देख बरवेट में हर कोई दंग रह गया और कहने लगे, मान गए बद्री बा आपकी सेवा निःस्वार्थ और सम्मान के लायक है।

एक किलो मीटर दूर से अपने सर पर रखकर ले आए बड़ का बड़ासा पेड़।

अपने सम्मान से अभिभूत होकर किया बड़े से बरगद के पेड़ का रोपण।

उम्र और पैर की चोंट भी नही रोक सकी बद्री बा को

70 वर्षीय बुजुर्ग होने के बाद कई लोग ठिक से चल तक नही पाते है। ऐसे में बद्री बा का दस फिट से अधिक बड़ा झाड़ उठाकर लेकर आना और एक संस्था में लगाना वाकई चौकाने वाला था। इतना ही नही बद्री बा एक पैर में गंभीर बीमारी से ग्रस्त है। कोई कहता है उनको शुगर है जिससे लगी चोट ठीक नही हो रही, तो कोई कहता है उनके पैर पर किसी जानवर ने फूंक्र दिया है जिस कारण उनका एक पैर खराब हो रहा है। गांव के स्थानीय डॉक्टर बद्री बा के पैर पर समय-समय पर मरहम पट्टी कर दवाई देते रहते है जिससे उनको काम करने की ओर भी प्रेरणा मिलती है।

बद्रीलाल पाटीदार उर्फबद्री बा ने बताया कि, पेड़ और पर्यावरण की सुरक्षा ही उनके जीवन का अब मूल उद्देश्य बन गया है और अंतिम सांस तक वो इसके लिए लगे रहेंगे। उनका कहना है, जीवन मे पहली बार इस प्रकार से मुझे सम्मानित किया है उसकी मुझे खुशी है और उसी की याद में पेड़ स्कूल परिसर में लगाया है, जो हमेशा मुझे प्रेरित करता रहेगा।

सरकार की ट्रांसफर नीति पर उठ रहे सवाल, केवल लेने-देन वालो की हो रही आवाजाही

सिविल सेवा आचरण अधिनियम का उल्लंघन कर कई अधिकारी जमे हुए जिले में, कल जिले के दौरे पर रहेंगे प्रभारी मंत्री, क्या लेंगे मामले का संज्ञान...?

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश सरकार ने वर्तमान में ट्रांसफर नीति खोल रखी है। पूरे प्रदेश में धडल्ले से ट्रांसफर हो रहे है और उनसे जुड़े विवाद और फर्जीवाड़ा भी सामने आ चुका है। प्रदेश में ट्रांसफर के नाम पर कई मंत्रियों की फर्जी नोटशीट चलाने का मामला उजागर हो चुका है, तो ट्रांसफर के लिए बड़ी लेन-देन कर अधिकारीयो और कर्मचारियों का अपनी मनपसंद स्थान पर जाना इसमें कोई नई बात नही है। कुल मिलाकर ट्रासंफर के नाम पर लेन-देन का बड़ा खेल हो रहा है।

सिविल सेवा आचरण अधिनियम का उल्लंघन कर रहे कई अधिकारी, सब सरकार की जानकारी में

ट्रांसफर नीति लागू होने के बाद उम्मीद थी। कई अधिकारी जो कि सिविल सेवा आचरण अधिनियम का उलंघन कर ग्रह जिले के होकर इसी जिले में नोकरी कर रहे है व कुछ अधिकारी तो ऐसे भी है जो जिस विकास खण्ड के निवासी है उसी विकास खण्ड के विभागों के मुख्य पदों पर जमे हुए है। बात करे पेटलावद विकास खण्ड की तो पेटलावद जल संसाधन विभाग के अधिकारी देवेंद्र डावर जो कि सारंगी क्षेत्र के निवासी होकर पेटलावद में ही बने हुए है। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग पेटलावद की एसडीओ गामड मेडम भी पारा क्षेत्र की निवासी होने के बाद भी पेटलावद में एसडीओ के पद पर बनी हुई है। जिले में ऐसे कई अधिकारी है जो नियम के विरुद्ध जिले में जमे हुए है, जिसके पीछे सरकार के जिम्मेदार भी बराबर के दोषी है जो जानकार भी अंजान बने हुए है।

प्रभारी मंत्री कल रहेंगे जिले में, क्या लेगे मामले में संज्ञान...?

कल 15 अगस्त के शुभ अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार झंडा वंदन के लिए झाबुआ आएंगे। क्या प्रभारी मंत्री कलेक्टर से ऐसे नियम विरुद्ध जिले के निवासी होकर जिले ओर विकास खण्ड में जमे अधिकारीयो का संज्ञान लेकर कोई कार्रवाई करेगे, ये देखना दिलचस्प होगा। यहां तक कि जानकारी मिली है कि, सरकार द्वारा जारी ट्रांसफर नीति में किसी भी ट्रासंफर चाहने वाले अधिकारीयो को ट्रांसफर के लिए ग्रह जिले में जाने के लिए आवेदन नही कर सकेंगे, लेकिन जो पहले से जमे हुए है उनका क्या? जानकारी अनुसार पेटलावद के जनपद सीईओ चौहान जिनका स्थांतरण मामला हाई कोर्ट में चल रहा है, वो अब अपने गृह जिले में जाना चाहते है ओर उसके लिए पूरी सेटिंग जमा ली है। इतना ही नही जिले में कई ऐसे कर्मचारी ओर अधिकारी है जो एक ही स्थान पर जमे हुए होकर पूरा जीवन एक ही जगह पर खपा दिया है। जबकि नियमानुसार 3 से 5 वर्ष तक नोकरी के प्रावधान है। लेकिन वर्षो से जमे कर्मचारी लेन-देन कर हर बार बचने में कामयाब हो जाते है। उदाहरण के लिए पेटलावद जनपद है जहॉं वर्षो से जमे हुए कर्मचारी नोकरी कर है। कुल मिलाकर सरकार की ट्रांसफर नीति की आड़ में वसुली का बडा खेल होने की बात सामने आ रही है। जिसके लिए शासन के नियमो को ताक में रखकर काम किया जा रहा है।

6 पंचायतों के ग्रामीण दो दशक से हो रहे परेशान, पर सुनवाई आज तक नहीं

मामला अमरगढ़ 69 सी रेल्वे फाटक बंद होने व अंडर ब्रिज की मांग का...

माही की गूंज, अमरगढ़/झाबुआ। हरीश भटेवरा

हमारी सरकार जहां हर समस्याओं का समाधान त्वरित करने का आमजन को आश्वासन देने के लिए कहती रहती है पर वह खोखला ही साबित हो रहा है।

बात करें, अमरगढ़ रेल्वे ट्रैक की तो यहां सुविधाओं के साथ रेल्वे ट्रैक की फाटक क्रमांक 69 सी के बंद होने के बाद पिछले दो दशक से ट्रैक के दोनों ओर थांदला व पेटलावद विधानसभा की ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की आवाजाही प्रतिबंधित होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह परेशानी बारिश के साथ ही किसानों को कृषि कार्य के लिए संसाधन ले जाने से ही शुरू हो जाती है। जिसके कारण अन्य बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश को छोड़ अमरगढ़, रामपुरिया, रतनाली, कुंडियापाडा, पाटडी, बिजनीपाड़ा आदि ग्राम पंचायत के लोग दो पहिया वाहन से रेल्वे ट्रैक के नीचे संकीर्ण पूल नाले से होकर आवाजाही करते हैं। लेकिन बारिश शुरू होने से लेकर नाले में पानी सूख जाने तक दो पहिया वाहन तो ठीक पैदल भी आना-जाना बंद हो जाता है। ऐसे में दोनों तरफ के ग्रामीण व स्कूल के बच्चे भी अपनी जान जोखिम में डालकर पटरी क्रॉस कर पैदल आवाजाही करने को मजबुर है। तो वहीं अपने निजी वाहन पटरी पार अपने परिचितों के यहां रख कार्य होने पर रेल्वे ट्रैक पैदल क्रास कर अपने वाहन से अपने गणतन्य पर जाते हैं और वापसी कोई आवश्यक सामग्री भारी-भरकम लेकर आते हैं उससे अपने घरों तक लाने में तो दादी-नानी याद आ जाती है।

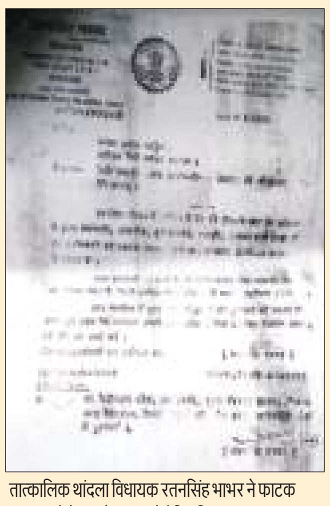

तात्कालिक थांदला विधायक रतनसिंह भाभर ने फाटक चालु करने हेतु रल्वे मंडल को प्रेषित किया पत्र।

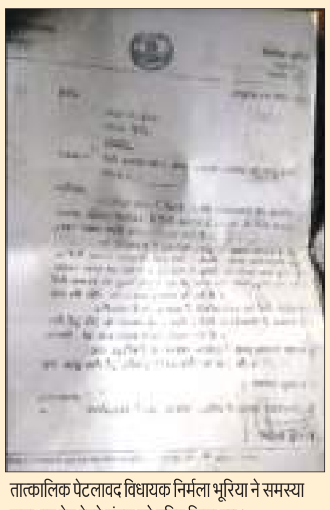

तात्कालिक पेटलावद विधायक निर्मला भूरिया ने समस्या समाधान हेतु रेल्वे मंडल को प्रषित किया पत्र।

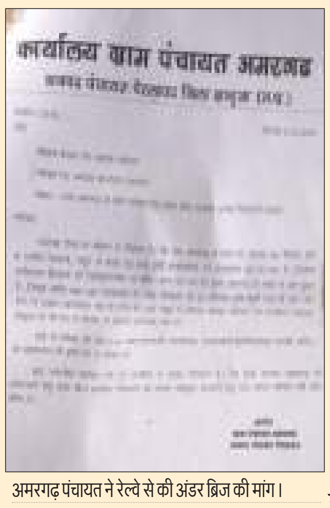

अमरगढ़ पंचायत ने रेल्वे से की अंडर ब्रिज की मांग।

यहां थी रेल्वे फाटक क्र.69 सी।

इस तरह से बारिश में नाले से निकलते ग्रामीण।

पूर्व विधायकों की मांग के बाद भी नहीं हुआ आज तक समाधान...!

1 जनवरी 2003 को तात्कालिक थांदला विधायक रतनसिंह भाभर ने पत्र क्रमांक 4379/2003 से पश्चिम रेल्वे मंडल रतलाम से अमरगढ़ रेल्वे स्टेशन पर स्थित फाटक क्रमांक 69 सी को खोलने की मांग की थी। जिसमें स्पष्ट उल्लेख किया था कि, फाटक बंद होने से थांदला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रतनाली, चापानेर, कुंडियापाडा, पाटडी, सागवा आदि ग्रामीणों को फाटक बंद होने के कारण आवाजाही में तकलीफहो रही है। सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उक्त फाटक को तत्काल खोलने के आदेश जारी करने की मांग की थी।

वही पेटलावद विधानसभा की तात्कालिक विधायक निर्मला भूरिया ने भी दिनांक 19 सितंबर 2003 को पश्चिम रेल्वे मंडल रतलाम को फाटक क्रमांक 69 सी को चालू रखने की मांग कर उल्लेख किया कि, पेटलावद विधानसभा परिक्षेत्र के अमरगढ़ की रेल्वे पटरी के समपार खेती है और मवेशी एवं कृषि यंत्र को लाने-लेजाने एवं आवाजाही में फाटक बंद होने से बड़ी परेशानियों का सामना ग्रामीणों को करना पड़ रहा है। अतः रेल्वे मंडल से रेल्वे फाटक खोलने की मांग की गई थी।

उक्त दोनों विधायकों की मांग किए हुए 2 दशक होने को आए पर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कब तक नहीं हुआ।

अब अंडरब्रिज की उठने लगी मांग

ग्रामीणों के साथ जनप्रतिनिधियों की मांग के बाद भी रेल्वे प्रशासन में कोई सुनवाई नहीं होने पर अब रेल्वे फाटक नहीं खोले जाने की दशा में रेल्वे ट्रैक पर अंडरब्रिज बनाए जाने की मांग की जा रही है।

इस संबंध में विधिवत ग्राम पंचायत अमरगढ़ ने 15 जुलाई 2015 को रेल्वे फाटक 69 सी को पुनः चालू करने के संबंध में जिला कलेक्टर झाबुआ को पत्र लिखा, जिसमें उल्लेख किया कि 8 से 10 किलोमीटर दूर तक फाटक बंद होने से अन्य कोई रास्ता नहीं है। जिससे आवाजाही करने में आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं ग्राम पंचायत अमरगढ़ ने 21 अक्टूबर 2019 को रेल्वे प्रबंधक पश्चिम रेल्वे मंडल रतलाम को पत्र लिखकर अमरगढ़ में रेल्वे समपार आने-जाने हेतु अंडरब्रिज बनाकर रास्ता बनाने की मांग की है। लेकिन इसका भी समाधान आज तक नहीं हुआ है।

ग्रामीणों की इन समस्याओं का समाधान नहीं होने पर समस्याओं के साथ ग्रामीण, प्रशासन की लाचार व्यवस्थाओं के कारण अब आक्रोशित भी दिखाई दे रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422